हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दिव्य, भव्य सनातनी महाकुंभ में बना रिकार्ड, 66 करोड़ ने लगाई डुबकी

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ। तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाई। शाम छह बजे तक 1.44 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान के साथ महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 66 करोड़ पार कर गई। मेला प्रशासन ने स्नानार्थियों पर गुलाब की 120 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई।

- 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ स्नान
- गुलाब की 120 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई
- जय गंगा मैया, हर-हर महादेव और जय श्रीराम की रही गूंज

देश की लगभग आधी आबादी ने लगाई डुबकी

दुनिया भर में सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो इसके अनुसार भी लगभग 50 प्रतिशत भारत ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा ली है।

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का आखिरी स्नान, श्रद्धालुओं पर बरसे फूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महाकुंभ नगर

खास खबर

प्रयागराज में 45 दिनों तक विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक एवं आध्यात्मिक समागम-महाकुंभ बुधवार को अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के साथ संपन्न हो गया। तेरह जनवरी से प्रारंभ हुए इस मेले में देश विदेश से 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं की यह संख्या चीन और भारत को छोड़कर अमेरिका, रूस और यूरोपीय देशों समेत सभी देशों की आबादी से अधिक है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के ▶▶| शेष पेज 4 पर

बड़े रिकॉर्ड

- महाकुंभ में कुल 45 दिन में 66 करोड़ से ज्यादा लोग पहुंचे। यानी हर दिन 1.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई।
- महाकुंभ के लिए प्रयागराज से 15 हजार से अधिक ट्रेनें चलीं। इनमें बैठकर करोड़ों लोग महाकुंभ पहुंचे।

श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा

महाशिवरात्रि पर संगम स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई है। संगम के घाटों पर हर तरफ स्नानार्थी ही नजर रहे थे। सिर पर गठरी और कंधे पर झोला लिए श्रद्धालुओं की भीड़ संगम की ओर बढ़ती रही। रास्ते भर जय गंगा मैया, हर-हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष लगाते लाखों श्रद्धालुओं ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आस्था भक्ति की लहरों के बीच संगम से शहर तक कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची।

सीएम साय का बड़ा ऐलान छत्तीसगढ़ में 'छावा' टैक्स फ्री

राजिम कुंभ कल्प का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऐतिहासिक वीर गाथा पर आधारित हिंदी फिल्म 'छावा' को राज्य में टैक्स फ्री घोषित करने की घोषणा की है। उन्होंने राजिम कुंभ के आयोजन उपरांत मीडिया से चर्चा के दौरान यह घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छावा फिल्म को टैक्स फ्री करने का ▶▶| शेष पेज 4 पर

सीएम ने की प्रदेश के खुशहाली की कामना

राजिम कुंभ कल्प 2025 के समापन अवसर पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सबसे पहले भगवान श्री राजीव लोचन मंदिर पहुंचे। यहां भगवान के दर्शन, पूजा अर्चना कर प्रदेश सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना। मंदिर दर्शन के बाद सीएम साय महानदी मैया की महाआरती में शामिल होकर विधि ▶▶| शेष पेज 4 पर

बालमपुर टीबीसीएल प्लांट के समीप हुई घटना, गुस्साए लोगों ने फूंका कंटेनर

मंदिर से लौटते वाहन भिड़ा, दुधमुंही समेत एक ही परिवार के पांच की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेदम/सीतापुर

सरगुजा इलाके में एक ही परिवार से जुड़े पांच लोगों की मौत से महाशिवरात्रि की खुशियां मातम में पसर गई। मृतक बोलेरो वाहन में सवार होकर पत्थलगांव के किलकिला स्थित शिव मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इस दौरान एनएच 43 पर तेज रफ्तार कंटेनर ने उन्हें सीधे टक्कर मार दी। इस हादसे में वाहन सवार दो मासूम बच्चों समेत चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना में गंभीर रूप से घायल बच्चे की मौत हो गई।

इस हादसे में पांच अन्य घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से क्षेत्र में मातम पसर गया है जबकि घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने दुर्घटना कारित करने वाले कंटेनर को आग के हवाले कर दिया।

- महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर से दर्शन कर लौट रहा था परिवार

बताया जा रहा है कि बतौली क्षेत्र के सखौली रेवापुर निवासी परिवार के सदस्य बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 15 ईडी 7078 से पत्थलगांव के किलकिला स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर दर्शन और पूजा पाठ करने गए हुए थे। वाहन में महिलाएं, बच्चे समेत 12 लोग सवार थे। किलकिला स्थित धाम में पूजा अर्चना कर वापस घर लौटने के दौरान दोपहर लगभग 12.30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग ▶▶| शेष पेज 4 पर

भड़का लोगों का आक्रोश कंटेनर को लगाई आग

राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। लोगों ने तेज रफ्तार पर लगाम नहीं लगाए जाने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। घटना 12.30 बजे की है लेकिन पुलिस को मौके पर पहुंचने में 1 बज गया। इस बीच आक्रोशित लोगों ने ▶▶| शेष पेज 4 पर

इनकी हुई मौत

इस भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मरने वालों में एक दुधमुही बच्ची समेत पिता, पुत्री समेत अन्य शामिल है। पुलिस के अनुसार घटना में रेवापुर निवासी 50 वर्षीय राजकुमार आ. दलबीर अगरिया, 25 वर्षीया अंजली अगरिया आ. राजकुमार अगरिया, 13 वर्षीय सूरज आ. शिवा अगरिया, 6 माह की बच्ची माही आ. संजय अगरिया शामिल है।

सीएम ने जताया शोक

महाशिवरात्रि के दिन सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत की जानकारी मिलने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी दुःख जताया है। सीएम श्री साय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि सरगुजा के सीतापुर थाना क्षेत्र में बोलेरो-कंटेनर के बीच हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत दुखत है। हादसे में 6 लोगों के आंशिक रूप से घायल होने की भी खबर है सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा घायलों को त्वरित इलाज के लिए अस्पताल ▶▶| शेष पेज 4 पर

एक ही नाम, एफिलेशन नंबर से खोल सकेंगे स्कूल की दूसरी ब्रांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीएसई ने अपनी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबद्धता मानदंडों में ढील दी है, जिससे अब ये विद्यालय समान नाम और एक ही संबद्धता संख्या के तहत स्कूल की अन्य शाखा स्थापित कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों ▶▶| शेष पेज 4 पर

ऐसी शर्तें: दोनों विद्यालयों को अलग-अलग शिक्षण और गैर-शिक्षण से संबंधित कर्मचारियों की नियुक्तियां करनी होंगी। कर्मचारियों के वेतन भुगतान की जिम्मेदारी भी मुख्य स्कूल पर होगी। वर्तमान में सीबीएसई, शाखा स्कूल स्थापित करने की अनुमति नहीं देता है।

ट्रक से टकराई कार सांसद महुआ घायल

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में तड़के महाकुंभ से लौटने के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की राज्यसभा सांसद महुआ मांझी की कार सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई जिससे वह घायल हो गईं। मांझी की बाईं कलाई की हड्डी टूट गई और उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में उनकी कार में सवार परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटें आई हैं। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-75 पर होटवाग गांव के पास देर रात करीब ढाई बजे हुई।

गोदावरी नदी में डूबने से पांच की मौत

ताड़ीपुड़ी। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बुधवार की सुबह नहाने गए 12 लोगों के एक समूह में से पांच लोग गोदावरी नदी में डूब गए। यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे ताड़ीपुड़ी गांव के तल्लापुडी मंडल में हुआ। गोदावरी नदी में नहाने गए 12 लोगों में से पांच डूब गए जबकि सात किसी तरह बचने में सफल रहे। समूह के लोग स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर पास के एक मंदिर जाने वाले थे। मृतकों और जीवित बचे लोगों में अधिकतर की उम्र 20 वर्ष से कम बताई जा रही है।

महाशिवरात्रि पर रहा अलौकिक नजारा, देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने किया पावन स्नान

प्रयागराज महाकुंभ 2025 का बुधवार को महाशिवरात्रि स्नान के बाद समापन हो गया। 13 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य आयोजित किए गए महाकुंभ ने विश्व भर से करोड़ों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया। इसी आखिरी स्नान के बाद महाकुंभ क्षेत्र का एक ड्रोन वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर आप भी भावविभोर हो जाएंगे। ड्रोन वीडियो में महाकुंभ का अद्भुत और अलौकिक नजारा दिखा रहा है। वीडियो में नदी में तैरते नाव दिख रहे और गंगा के किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। चारों तरफ किनारों पर सिर्फ और सिर्फ भीड़ दिखाई दे रही है।

संगम पर एक साथ दिखे भारत के विविध रंग

जुलाई-अगस्त में डूब जाता है कुंभ क्षेत्र का 98 प्रतिशत भाग

जुलाई अगस्त में जब गंगा में बाढ़ आती है तो कुंभ का 98 प्रतिशत हिस्सा डूब जाता है। वहीं, बाढ़ खत्म होने के बाद अक्टूबर-नवंबर से फिर माघ मेला की तैयारियां शुरू हो जाएंगी. क्योंकि प्रयागराज में हर वर्ष माघ मेला का भी आयोजन किया जाता है। माघ मेला का आयोजन मकरसंक्रांति से महाशिवरात्रि तक होता है।

कुछ दिनों में खाली हो जाएगा महाकुंभ क्षेत्र

महाकुंभ को देखते हुए इस बार सरकार की तरफ से मेला क्षेत्र को अलग जिला बनाया गया था, जिसमें प्रयागराज के गंगा किनारे के कई गांवों को शामिल किया था। वहीं, अब महाशिवरात्रि के स्नान के बाद पूरा मेला क्षेत्र खाली होना शुरू हो जाएगा। पहले कल्पवासी यहां से अपना-अपना सामान लेकर जाएंगे। इसके बाद टेंट उखड़ना शुरू होगा और धीरे-धीरे मेला क्षेत्र में लगे खंभों, पांटून पुल, बिजली के तार और पानी सप्लाई के लिए लगाई गईं टोटी व पाइप को खोल लिया जाएगा।

महाकुंभ खत्म लेकिन बनी रहेंगी सुविधाएं

महाशिवरात्रि स्नान पर्व के साथ महाकुंभ का बुधवार को समापन हुआ लेकिन संगम तथा आसपास के क्षेत्रों में सुविधाएं बहाल रहेंगी। अभी आगे भी बड़ी संख्या में स्नानार्थियों के आने के आसार हैं। इस संभावना को देखते हुए जरूरी सुविधाएं रखने का निर्णय लिया गया है। संगम स्नान के लिए अब वर्ष पर्यंत श्रद्धालु आने लगे हैं। इसे देखते हुए बाढ़ के दिनों को छोड़कर अन्य समय में संगम क्षेत्र में बिजली, शौचालय आदि सुविधाएं बहाल रखी जाती रही हैं।

गिनीज बुक में दर्ज होंगे महाकुंभ के रिकॉर्ड!

प्रयागराज में इस साल हुए महाकुंभ में कई रिकॉर्ड बने हैं। बीते 44 दिनों में 65 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने महाकुंभनगरी पहुंचकर संगम में डुबकी लगाई है। अगर संख्या के लिहाज से बात करें तो यह भारत की कुल आबादी का 50 फीसदी से ज्यादा है। यानी आधे से ज्यादा भारत इस बार महाकुंभ में डुबकी लगा चुका है। इतना ही नहीं इस महाकुंभ में इस बार और भी कई रिकॉर्ड बने हैं जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बना सकते हैं, आइये जानते हैं..

स्वच्छता से जुड़े दो बड़े रिकॉर्ड

- 24 फरवरी के दिन करीब 15 हजार स्वच्छता कर्मियों ने 10 किलोमीटर क्षेत्र में एक साथ सफाई का रिकॉर्ड बनाया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इसे लेकर 28 फरवरी को फैसला दे सकता है।
- 14 फरवरी को नदी स्वच्छता का रिकॉर्ड बना गया था। उस दिन 300 कर्मचारियों ने नदी की सफाई का रिकॉर्ड बनाया था। गिनीज बुक ने इसे रिकॉर्ड में शामिल किया है। इससे पहले 2019 के अर्धकुंभ में 10 हजार सफाई कर्मचारियों ने संगम तथा अन्य स्थानों पर एक साथ स्वच्छता अभियान चलाने का रिकॉर्ड बनाया था।

हैंड प्रिंटिंग पेंटिंग का कीर्तिमान

महाकुंभ के लिए प्रयागराज से रिकॉर्ड 15 हजार से अधिक ट्रेनें चलीं

मेले में मंगलवार को हैंड प्रिंटिंग पेंटिंग का भी कीर्तिमान बना। 10,109 हजार लोगों ने महज आठ घंटे में अपने पंजे का छापा लगाकर महाकुंभ के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने के साथ विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। मेला प्रशासन ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा जो कुंभ 2019 में बनाया गया था। 2019 में साढ़े सात हजार लोगों के हैंड प्रिंट लेने का रिकॉर्ड बना था, जो महाकुंभ 2025 में टूट गया। हैंड प्रिंटिंग पेंटिंग का नया कीर्तिमान बनाने के लिए गंगा पंडाल में कैनवास लगाया था। इसके लिए सुबह 10 से शाम छह बजे तक का समय निर्धारित किया गया था, जिसे लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखा।

बसों के सबसे बड़े संचालन का रिकॉर्ड

महाकुंभ मेला के आखिरी दिन 700 शटल बसों के एक साथ संचालन का भी विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। यहां बसों की परेड कराई जाएगी। मेला प्रशासन इसके माध्यम से अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। कुंभ 2019 में 500 बसों के संचालन का रिकॉर्ड बनाया था। इस तरह एक दिन में सर्वाधिक बसों का संचालन कर नया रिकॉर्ड बनाए जाने की तैयारी है।

एक दिन में सबसे बड़े जुटाव का रिकॉर्ड

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर करीब 7.6 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई। जो कि एक दिन में किसी एक जगह पर लोगों के जुटाव का रिकॉर्ड है। दरअसल, प्रयागराज की आबादी करीब 1 करोड़ है। यानी मौनी अमावस्या के दिन जिले में करीब 8.6 करोड़ लोग पहुंचे थे। जर्मनी जिसकी आबादी 8 करोड़ से ज्यादा है, मौनी अमावास्या के दिन उसकी आबादी भी प्रयागराज पहुंची भीड़ से कम रही। इसके अलावा यूरोप के सभी देशों की आबादी मौनी अमावस्या के शाही स्नान के लिए जुटी भीड़ से कम थी। जहां ब्रिटेन की आबादी 6 करोड़ 91 लाख है, तो वहीं फ्रांस की जनसंख्या 6.65 करोड़ ही है। इतना ही नहीं अमेरिका के 54 देशों में से सिर्फ तीन देशों की आबादी ही मौनी अमावस्या पर प्रयागराज से ज्यादा रही। इनमें अमेरिका, ब्राजील और मैक्सिको शामिल हैं। जबकि कोलंबिया, अर्जेंटीना, कनाडा से लेकर उरुग्वे तक महाकुंभ में प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर लोगों की मौजूदगी से कम रहे।

'यहां आकर हमें बहुत खुशी और शांति मिली'

विदेशी श्रद्धालुओं ने महाकुंभ को बताया अद्भुत और अविस्मरणीय पल

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लंदन, ब्राजील, मैक्सिको और अमेरिका समेत दुनिया के कई अन्य देशों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में पवित्र स्नान किया और भारतीय संस्कृति की गहराई को करीब से महसूस किया। इन विदेशी श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवन का अविस्मरणीय पल बताया।

यह जीवन में एक बार का अवसर

लंदन से आईं एक श्रद्धालु ने भावुक होकर कहा कि यहां आकर मुझे बहुत खुशी और शांति मिली। भीड़ का माहौल अनुभव करने लायक है, यह अद्भुत है। आज हर कोई उत्सव मना रहा है, यह मेरे पिछले दिनों से भी ज्यादा खास लग रहा है। मैंने इसे जीवन में एक बार मिलने वाला मौका समझा और अपनी सारी योजनाएं रद कर यहां आ गई। यह मेरे लिए इतना महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे कहा कि यहां के लोग बहुत स्वागत करने वाले और दोस्ताना हैं। मैं भारतीय संस्कृति और रोजमर्रा की होने वाली पूजा-अर्चना के महत्व के बारे में बहुत कुछ सीख रही हूं। यह देखना भी खूबसूरत है कि लोग गंगा का जल अपने परिवार के उन सदस्यों के लिए ले जा रहे हैं जो यहां नहीं आ सके। मैंने महाकुंभ के बारे में सोशल मीडिया और दोस्तों से जाना।

चतुर्थ पुण्यतिथि

जन्म
07.10.1937

निधन
27.02.2021

स्व. श्री ताराचंद जी अग्रवाल
(वरिष्ठ अधिवक्ता)

सात्विक, धार्मिक, सामाजिक, सादा जीवन-उच्च विचार,
शांत स्वभाव, सत्य व न्याय प्रिय, संस्कार के अविरल स्रोत,
वकालत में विशिष्ठ पहचान, अनंत ऊर्जावान, कर्मठ...
''बाबूजी'' के ऐसे व्यक्तित्व को हमारा

शत्-शत् प्रणाम...

श्रद्धानवत्-
राजेश, उमेश, रमेश अग्रवाल (पुत्र)
सौरभ, गौरव, शशांक अग्रवाल (पौत्र)
एवं समस्त भूषाणिया परिवार

REAL GROUP

निवास- ''हरि विला'', सिविल लाइन्स, रायपुर

MAHESHWARI

महाकुंभ का असर... होटल और क्रूज की बुकिंग 12 मार्च तक फुल

ऑनलाइन बुकिंग ज्यादा

महाकुंभ के चलते होटलों और क्रूज की बुकिंग 12 मार्च तक फुल हो गई है। सर्वाधिक बुकिंग महानगरों और कॉरपोरेट घरानों के अलावा महिला ग्रुप ने कराई है। इसमें ज्यादातर बुकिंग ऑनलाइन हुई हैं। पर्यटकों की बुकिंग से काशी के पर्यटन व्यवसाय में तेजी आई है। मुंहमांगी कीमत के बावजूद भी बुकिंग नहीं हो पा रही है। गंगा किनारे होटलों में कमरे नहीं मिल रहे हैं। साथ ही काशी आकर गंगा में नौका विहार करने के लिए नाव और बजड़े बुक करने में भी लोगों को बेहद मुश्किल हो रही है। घाट किनारे के सभी होटल भी 20 मार्च तक फुल हैं। शंभु मांझी ने बताया कि महानगरों के व्यवसायियों के अलावा दक्षिण भारतीय पर्यटक भी यहां समूह में बुकिंग करा रहे हैं। बुकिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से हो रही है। वाराणसी में पंजीकृत नावें 1500 के करीब हैं जबकि यहां 3000 के करीब नावों का संचालन हो रहा है। संजीव साहनी ने बताया कि 35 से 50 व्यक्तियों के समूह को सर्वाधिक बुकिंग मिल रही है। होटल मार्केटिंग से संबंधित अधिकारी ने बताया कि होली के आसपास छोड़ दें तो इसके एक सप्ताह बाद तक होटलों की बुकिंग फुल है। टूरिस्ट प्रबंधक अनिल त्रिपाठी ने बताया कि महाकुंभ के चलते सभी होटल फुल हैं।

एसबीआई में जमा हुई सबसे ज्यादा नकदी

महाकुंभ में बैंकों ने किया 37 करोड़ रुपये का कारोबार

श्रद्धालुओं को बैंकिंग सहुलियत मुहैया कराने के लिए कुंभनगरी में 16 बैंकों ने शाखाएं खोलीं। यहां पर बैंकों ने करीब 37 करोड़ रुपये का कारोबार किया। नकदी जमा करने में सबसे आगे एसबीआई रहा। बैंक अफसरों का कहना है शाखाओं में पैसा जमा करने वाले सर्वाधिक रहे जबकि पैसा निकालने वाले काफी कम रहे। इस दौरान नए बैंक खाते भी खोले गए। कुंभनगरी के भीतर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक समेत सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के कुल 16 बैंकों ने 40 से अधिक शाखाएं खोली। त्रिवेणी रोड समेत बैंक की शाखाएं मेले के भीतरी सेक्टरों में भी खोली गई। इनके जरिये श्रद्धालुओं को नकदी जमा, निकासी समेत अन्य बैंकिंग सुविधा दी गई थी। काई जगह एटीएम बूथ भी लगाए गए।

जन जन का संकल्प
फाइलेरिया (हाथीपांव)
मुक्त छत्तीसगढ़

फाइलेरिया या हाथीपांव
से बचाव की दवा
27 फरवरी को जरूर खाएं

श्री विष्णुदेव साय
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

फाइलेरिया का बस एक ही इलाज, इसे होने ही ना दें।

फाइलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है, इसके लक्षण काटने के 5-15 साल बाद दिखाई देते हैं, इससे हाथीपांव एवं अंडकोष में सूजन हो सकती है।

27 फरवरी 2025 से सर्वजन दवा सेवन अभियान (MDA) राज्य के बालोद, बलौदाबाजार, बिलासपुर, गरियाबंद, गौरेला पेण्ड्रा मरवाही, जांजगीर चांपा, जशपुर, महासमुंद, मुंगेली, सक्ती, रायपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सूरजपुर, सरगुजा, बस्तर, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई एवं राजनांदगांव में 2 हफ्तों तक चलेगा।

03 से 13 मार्च तक स्वास्थ्यकर्मी आपके घर आकर फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाएंगे।

यह दवाई सरकार द्वारा आपके नजदीकी बूथ पर भी निःशुल्क उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिए अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र एवं मितानिन से संपर्क करें

खुशहाल होगा शहर व गांव
जब जड़ से मिटेगा हाथीपांव

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़

रायपुर
गुरुवार, 27 फरवरी 2025
फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष : 23, अंक : 222
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 34.0
न्यून. 19.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 चिकनी चमेली गाने पर हुई

विचार पेज
2 आयकर व्यवस्था में सुधार की पहल

छत्तीसगढ़ बन रहा रोड एक्सीडेंट का ब्लैक स्पॉट, पांच साल में 33 हजार से ज्यादा की अकाल मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिस जगह पर एक के बाद एक लगातार चार पांच रोड एक्सीडेंट होते हैं, उन जगहों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया जाता है। ब्लैक स्पॉट को हादसों की जगह के रूप में देखा जाता है, लेकिन राज्य में जिस तरह आए दिन रोड एक्सीडेंट हो रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि पूरा छत्तीसगढ़ ही ब्लैक स्पॉट बन गया है। यह बात इसलिए कि राज्य में पिछले पांच साल के दौरान 79 हजार 523 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इन हादसों में 33 हजार 734 लोगों की जानें गई हैं। इन दुर्घटनाओं में घायल होने वालों की संख्या 70 हजार 255 रही है।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में हैं 848 ब्लैक स्पॉट

छत्तीसगढ़ में 848 स्थानों पर ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। इन्हे सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। यातायात के जानकार अधिकारियों का कहना है कि किसी भी सड़क पर ब्लैक स्पॉट बनते रहते हैं, उनमें सुधार किया जाता है। फिर नए स्थान पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। दरअसल होता ये है कि किसी भी सड़क के आसपास जब वहां की स्थिति बदलती है तो वहां ब्लैक स्पॉट बन जाता है। पुलिस मुख्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 से लेकर 2018, और 2019 में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आधार पर वर्ष 2020 में चिन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट की संख्या 130 थी। इनमें सबसे अधिक 95 राष्ट्रीय राजमार्ग में 22 राजकीय राजमार्ग में और अन्य मार्गों में 13 सहित कुल 130 ब्लैक स्पॉट थे।

रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव और रायगढ़ हादसों का शहर

■ नेशनल हाईवे पर सबसे अधिक बनते हैं ब्लैक स्पॉट, सुधार भी जारी

यह होता है ब्लैक स्पॉट

सड़क पर जिस जगह बार-बार हादसे होते हैं, उन्हें ब्लैक स्पॉट कहा जाता है। सरकार की ओर से किसी सड़क, हाईवे, एक्सप्रेस वे पर अगर एक ही जगह तीन साल में पांच सड़क हादसे हो जाएं। इसके अलावा किसी जगह पर तीन साल में दस मौत हो जाए, तो उसे ब्लैक स्पॉट घोषित कर दिया जाता है। हादसे के आसपास का 500 मीटर का एरिया ब्लैक स्पॉट माना जाता है। अब सवाल ये है कि ब्लैक स्पॉट बनता कैसे है। जिस जगह पर सीधी सड़क में एक शॉर्प गिरावट आए। ऐसी जगह पर जहां दूसरी ओर से आने वाला ट्रैफिक नजर ना आए, शॉर्प रोड पर छिपा हुआ जंक्शन हो। ऐसी जगहों पर हादसा होने का खतरा होता है।

रायपुर में 25 ब्लैक स्पॉट

पिछले साल जनवरी से लेकर नवंबर के बीच की गई जांच में रायपुर में 25 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कए हए थे। इन 11 महीनों के ट्रैफिक डिपार्टमेंट के आंकड़ों को देखें तो सड़क हादसों का बड़ा आंकड़ा हमारे सामने आता है। बीते 11 महीनों के डेटा ये बताते हैं कि इन 11 महीनों में कुल 1894 एक्सीडेंट हुए. इन सड़क हादसों में 524 लोगों की जान गई। 1894 एक्सीडेंट के केसों में 1385 लोग घायल हुए। यातायात विभाग के जानकारों के अनुसार सड़क हादसों के पीछे कई तरह के कारण होते हैं। सड़क हादसों के पीछे मुख्य कारण यातायात नियमों के प्रति लापरवाही बरतना. जल्दीबाजी के चक्कर में ओवर टेक करना. तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना शामिल है। नशे में होने के बावजूद गाड़ी ड्राइव करना भी हादसों में शामिल एक बड़ी वजह है। तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना भी अक्सर हादसों का सबब बनता है। रायपुर में कुल 25 ऐसे ब्लैक स्पॉट हैं जहां ऐसे हादसे ▶▶| शेष पेज 4 पर

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका का केंद्र सरकार ने किया विरोध

आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए नेताओं पर ताउम्र प्रतिबंध सही नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए नेताओं पर ताउम्र चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि मौजूदा छह साल का प्रतिबंध ही काफी है। याचिका का विरोध करते हुए केंद्र ने कहा है कि इस तरह की अयोग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा कि याचिका में जो अनुरोध किया गया है। वह विधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह से परे है। हलफनामे में कहा गया है, यह सवाल कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। हलफनामे ▶▶| शेष पेज 4 पर

केंद्र सरकार ने क्या दलीलें दीं

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। इस हलफनामे में सरकार ने कहा है कि दोषी सांसदों-विधायकों की अयोग्यता की अवधि 6 साल तक सीमित रखने का प्रावधान 'आनुपातिकता और तर्कसंगतता' के सिद्धांतों पर आधारित है। सरकार का तर्क है कि संसद को सजा की अवधि तय करने का विशेषाधिकार है। कानून मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दायर हलफनामे में कहा गया, 'विवादित धाराओं के तहत अयोग्यता संसदीय नीति के अनुसार समयबद्ध है।

खास बातें
- केंद्र ने कहा, यह केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में
- ऐसी याचिका कानून बनाने का निर्देश देने के समान

क्या है याचिकाकर्ता की मांग?

यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। याचिका में दोषी सांसदों-विधायकों पर चुनाव लड़ने के लिए आजीवन प्रतिबंध की मांग की गई है। हलफनामे में कहा गया है, याचिकाकर्ता जो राहत चाहता है, वह जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 के सभी उप-धाराओं में '6 साल' के बजाय 'आजीवन' पढ़ने की मांग करता है।

धारा 8 और 9 में क्या प्रावधान?

धारा 8 के तहत, दोषी सांसद-विधायक अपनी सजा पूरी करने के बाद 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते। यह कई अपराधों पर लागू होता है, जिनमें दो या दो साल से अधिक की सजा शामिल है। धारा 9 के तहत, भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति निष्ठाहीनता के लिए सरकारी सेवा से बर्खास्त किए गए व्यक्ति बर्खास्तगी की तारीख से 5 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते।

केंद्र ने दिया इन मामलों का हवाला

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि न्यायपालिका के पास असंवैधानिक कानून को रद्द करने की शक्ति है। लेकिन अदालतें संसद को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने या संशोधित करने का निर्देश नहीं दे सकतीं। हलफनामे में मद्रास बार असोसिएशन बनाम भारत संघ (2021) में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया है। इस फैसले में कहा गया था कि 'अदालतें विधायिका को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने या लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं।' केंद्र ने हिमाचल प्रदेश बनाम सतपाल सैनी (2017) के फैसले का भी हवाला दिया। इसमें कहा गया था कि नीति निर्माण कार्यपालिका और विधायिका का क्षेत्र है, और अदालतें नीतिगत निर्णयों में तब तक हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं जब तक कि वे संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन न करें।

दो दिन पूर्व भी पकड़ी थी डेढ़ करोड़ रुपए की शराब

तीन दिन में पकड़ी गई तीन करोड़ की शराब

एजेंसी ▶▶| जशपुरनगर

जशपुर पुलिस ने जिला अनूपपुर (मध्य प्रदेश) से अंग्रेजी शराब से भरे ट्रक को जब्त किया है। ट्रक में डेढ़ करोड़ की शराब भरी हुई थी। आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में लेकर जशपुर लाया गया है। जानकारी के अनुसार दो दिवस पूर्व जशपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक 12 चक्का का अशोका निलेंड ट्रक जिसमे पंजाब राज्य से अवैध शराब लोड कर झारखंड, बिहार राज्य की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने शराब से भरे ट्रक को लोरो घाट के नीचे सरदार ढाबा के पास पकड़ा था, जिसकी तलाशी के दौरान ट्रक में पुट्टी सीमेंट की बोरी से छिपाकर रखी 790 कार्टून, कुल 7015 लीटर पंजाब राज्य के अवैध अंग्रेजी ▶▶| शेष पेज 4 पर

दूसरी बार बड़ी कार्रवाई

जशपुर पुलिस ने दो दिनों में अंतर राज्यीय शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मामले से जुड़े 30 लाख रुपए के दो ट्रक सहित अवैध अंग्रेजी शराब से भरी 1574 पेटी में तीन करोड़ रूपए की 14027 लीटर पंजाब राज्य की अवैध अंग्रेजी शराब को जब्त किया। साथ ही दोनों आरोपी ट्रक चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस टीम होगी पुरस्कृत

मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि विवेचना के दौरान आने वाले तथ्यों के आधार पर पुलिस इस गिरोह के सरगना तक पहुंचने की कोशिश करेगी। इस कार्रवाई में लगी पुलिस टीम को नगद इनाम से पुरस्कृत किया जाएगा।

जंगल में नक्सलियों की आंखें जांचने वाली मशीन मिली

कई मेडिकल उपकरण भी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा जिले के मीनागट्टा के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सर्चिंग पर निकली संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में नक्सलियों द्वारा डंप किए गए मेडिकल उपकरण बरामद किए हैं। पहली बार नक्सलियों के सामान में आखों की जांच करने की आधुनिक मशीन व अन्य सामान मिले हैं। जानकारी के मुताबिक सुकमा जिले के चिंतलनार ▶▶| शेष पेज 4 पर

नक्सलियों की टीम में हो सकते हैं चिकित्सा विशेषज्ञ

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि 203 वाहिनी कोबरा, 241 वाहिनी सीआरपीएफ व जिला बल की संयुक्त टीम 25 फरवरी को नवीन कैंम्प गोमगुड़ा क्षेत्र के जंगल की ओर रवाना हुए थे। गश्त के दौरान मंगलवार शाम मीनागट्टा के जंगल क्षेत्र में अज्ञात नक्सलियों के द्वारा छुपाकर रखे भारी मात्रा में डंप मेडिकल उपकरण मशीन, कटर मशीन बरामद की गई।

सेना के वाहन पर आतंकवादियों ने बरसाई गोलियां

एजेंसी ▶▶| राजौरी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास स्थित एक गांव में बुधवार को संदिग्ध आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि हालांकि सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास हुई इस गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ।

माना जा रहा है कि जंगल में छिपे आतंकवादियों ने इलाके से गुजर रहे सेना के वाहन पर कुछ गोलियां चलाईं।

संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं

अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में, सेना के जवानों ने मंगलवार - बुधवार की दरम्यानी रात जम्मू के अखनूर सेक्टर के कीरी बट्टल इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद गोली चलाई। उन्होंने बताया कि आज सुबह बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी था।

हारे हुए को थमा दिया जीत का प्रमाण पत्र

मतगणना में गड़बड़ी की तहसीलदार से शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुंठपुर/जनकपुर

एमसीबी जिले के भरतपुर तहसील अंतर्गत बीते दिनों संपन्न हुए त्रिस्तरीय चुनाव में जीते हुए प्रत्याशी की जगह हारे हुए सरपंच प्रत्याशी के नाम जीत का प्रमाण पत्र दे दिया गया। इसकी खबर जब जीते हुए प्रत्याशी को मिली तो मामला गरमा गया और इस लापरवाही को लेकर तहसीलदार भरतपुर को ▶▶| शेष पेज 4 पर

खास खबर

सर्वाधिक मत पाकर भी प्रमाण पत्र दूसरे को मिला

ग्राम पंचायत ओहनिया में संपन्न हुए पंचायत चुनाव में मतदान पश्चात मतदान केन्द्र में ही मतगणना की गई। इसमें सरपंच प्रत्याशी जगत बहादुर सिंह गणना में सर्वाधिक मत प्राप्त किए, इसके संबंध में उन्हें गणना पत्रक भी दिया गया ,जबकि सरपंच ▶▶| शेष पेज 4 पर

चिंतन

सनातन व सामाजिक एकता का जनोत्सव बना महाकुंभ

महाशिवरात्रि पर अंतिम स्नान के साथ महाकुंभ का समापन हो गया। इस बार करीब 66 करोड़ लोगों ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया, जनोत्सव का विश्व रिकार्ड बना। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ को सफल बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। टेंट में आग लगने की घटना और भगदड़ के दौरान श्रद्धालुओं की मौत के चलते सरकार के इंतजाम पर जरूर सवाल उठे, लेकिन समग्रता में महाकुंभ का आयोजन सफल माना जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के मेला प्रशासन अगर सजग रहते तो भगदड़ जैसी घटना नहीं होती। समस्त हिंदू आबादी के आधे लोगों का एक माह के दौरान संगम में जाकर स्नान करना सनातन जागृति का बड़ा सबूत है। देश व विदेश के करोड़ों सनातनी श्रद्धालु प्रयाग के संगम तट पर पहुंचे, इनमें आमजन से लेकर फिल्मी सितारे, उद्योगपति, राजनेता सभी शामिल रहे। हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक, समुद्र मंथन में भगवान शिव ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। समुद्र मंथन से अमृत कलश निकला और इसकी बूंदें जहां-जहां गिरीं, वहां-वहां कुंभ मेले का आयोजन होता है। महाकुंभ मेले के छह स्नान पर्वों में तीन स्नान पर्व अमृत स्नान के थे और ये 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और तीन फरवरी को बसंत पंचमी पर संपन्न हुए। सभी 13 अखाड़े अमृत स्नान करके मेले से विदा हो चुके थे। महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा अनूठा सांस्कृतिक आयोजन बना। महाकुंभ संस्कृति, आस्था, सामाजिक समरसता और आर्थिकी सबका संगम साबित हुआ। भारतीय समाज विभिन्न स्तर पर विभाजित है, धर्म, जाति, भाषा व क्षेत्र आदि। महाकुंभ के दौरान जाति, क्षेत्र, भाषा आदि सभी दीवार टूटती दिखी, सभी ने सनातन की छतरी के नीचे संगम में आस्था की डुबकी लगाई। महाकुंभ में भारतीय संस्कृति की ताकत दिखी, सनातन का प्रभाव और आस्था के जागरण का उत्सव दिखा। सभी वर्ग के लोगों में कुंभ स्नान के लिए जाने की ललक सांस्कृतिक एकता व जागरण को दर्शाती है। महाकुंभ उत्तर प्रदेश सरकार के लिए आर्थिक उपलब्धि के तौर पर भी साबित हुआ। यूपी सरकार ने महाकुंभ के आयोजन में करीब 7500 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन एक माह में करीब 3 लाख करोड़ रुपये लोगों ने खर्च किए, जिससे सरकार को बड़ा राजस्व भी मिला, प्रयागराज समेत स्थानीय लोगों का व्यापार बढ़ा। रेलवे, बस व विमानन क्षेत्र की आमदनी बढ़ी। केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है। उज्जैन में महाकाल कोरिडोर, काशी में बाबा विश्वनाथ कोरिडोर, नेपाल के लुंबिनी से बिहार के गया तक भगवान बुद्ध गलियारा समेत देश में अनेक मंदिरों के आसपास बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाया है। देश में कनेक्टिविटी बढ़ाई गई है। संगम तट पर महाकुंभ की सफलता से उत्साहित महाराष्ट्र सरकार ने नासिक में वर्ष 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। भारतीय अर्थव्यवस्था में महाकुंभ जैसे आयोजन बड़ा योगदान दे रहे हैं। इससे सामाजिक दीवारें भी टूट रही हैं। आजादी के करीब सात दशक बाद भारत ने अपनी सनातन संस्कृति की शक्ति को पहचाना है और सरकार के स्तर पर इसे बढ़ावा दिया जा रहा है। महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण व सनातन के उदगार का ही नजारा है। कार्ल मार्क्स ने धर्म को अफीम कहा था, लेकिन महाकुंभ व हज जैसे आस्था के उत्सव सामूहिक सांस्कृतिक जागृति, सामाजिक एकता और मानवता-करुणा के संदेश को आगे बढ़ाते हैं।

विधेयक

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। कहा गया है कि नया आयकर कानून एक ऐसा ऐतिहासिक कर सुधार है, जो वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाते हुए भी दिखाई देगा। वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी।

आयकर व्यवस्था में सुधार की पहल

यकीनन लोकसभा में प्रस्तुत नया आयकर विधेयक आयकर व्यवस्था में सुधार, करदाताओं को राहत और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। कहा गया है कि नया आयकर कानून एक ऐसा ऐतिहासिक कर सुधार है, जो वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाते हुए भी दिखाई देगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी।

वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से वर्ष 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाइल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजेक्शन किया है पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन प्रयासों से 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है।

वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुठ्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है बल्कि यह करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खास तौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढ़ने-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है।

अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को 'कैपिटल एसेट' माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज़ और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि नए आयकर कानून 2025 के तहत सरल कर ढांचा और सरल कानून सभी के लिए मददगार होंगे और देश की जीडीपी में आयकर का अधिक योगदान बढ़ने से अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ेगी।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मोटापा

शिशिर शुक्ला

स्वास्थ्य को लेकर पीएम मोदी की अहम पहल

आज मोटापे की समस्या दिन-ब-दिन मानव स्वास्थ्य के लिए एक गंभीरतम रूप लेती जा रही है। एक सीमा से अधिक मोटापा हर हालत में जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक जागरुकता अभियान चलाया है। खास बात यह है कि इस अभियान में सहायता हेतु उन्होंने देश की जानी-मानी हस्तियों को नामित किया है। प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रत्येक देशवासी से अपने भोजन में तेल की खपत को दस फ़ीसदी तक कम करने का अनुरोध किया है। निश्चित रूप से किसी देश के मुखिया के द्वारा ऐसा कदम उठाया जाना एवं अपनी जनता से स्वास्थ्य संबंधी एक महत्वपूर्ण अपील किया जाना उनकी बुद्धिमत्तापूर्ण दूरदर्शिता का परिचायक है। गौरतलब है कि मोटापे की समस्या के पीछे उत्तरदायी कारकों में जो सबसे महत्वपूर्ण कारक है, वह है–अनियमित जीवन शैली एवं अनियंत्रित खान-पान। ये दोनों कारक आज के युवा एवं किशोरवर्ग के संदर्भ में कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि वे न तो किसी नियमित दिनचर्या का पालन कर रहे हैं एवं न ही कोई व्यवस्थित खानपान उनकी जीवन शैली का हिस्सा बन पा रहा है। एक रिपोर्ट बताती है कि कोल्ड ड्रिंक पीने एवं बर्गर व पिज़्ज़ा जैसे फास्ट फूड खाने की लत युवाओं को समय से पहले बूढ़ा कर रही है। नतीजा यह हो रहा है कि समय से पहले युवा मोटापे की चपेट में आकर अनेक बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में बताया गया है कि ऐसे युवा जो नियमित रूप से चिप्स, बिस्किट, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं उनके बीमार होने एवं सुस्त रहने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। इटली के इंस्टिट्यूट ऑफ़ न्यूरोलॉजिको के वैज्ञानिकों ने 22495 वयस्कों पर किए गए शोध के अनुसार निष्कर्ष निकाला है कि डिब्बाबंद खाना खाने से बुढ़ापा जल्दी आ सकता है। इसके साथ ही फास्ट फूड एवं डिब्बा बंद भोजन का सेवन करने से मोटापे की समस्या अनियंत्रित रूप से बढ़ती जाती है जो भविष्य में मधुमेह एवं कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को भी खींच लाती है। एक बहुत पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। मोटापा एक ऐसी समस्या है जो शरीर को उत्तम स्वास्थ्य से दूर करने का एक महत्वपूर्ण कारण बन जाता है। किसी देश के विकास के लिए यह परम आवश्यक है कि वहां का युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णरूपेण सशक्त हो। मोटापे की समस्या कहीं न कहीं युवाओं के अंदर कार्य के प्रति लगन एवं उत्साह को भी क्षीण करने का कार्य करती है। नतीजा यह होता है कि वह स्वयं के विकास, परिवार के विकास, समाज की प्रगति एवं राष्ट्र की उन्नति में वह भूमिका नहीं निभा पाता जोकि उससे अपेक्षित होती है। एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में भारत में लगभग सात करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त थे जिनमें 4.4 करोड़ महिलाएं एवं 2.6 करोड़ पुरुष थे। इससे भी ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि इतनी बड़ी संख्या में 50 लाख से अधिक बालिकाएं एवं 70 लाख से अधिक बालक शामिल थे जिनकी आयु 19 वर्ष से कम थी।

आईसीएमआर की एक अन्य रिपोर्ट यह कहती है कि वर्तमान में भारत में बारह करोड़ से भी ज्यादा लोग ऐसे हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल एवं सांस फूलने जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। सुस्पष्ट है कि ये सभी बीमारियां मोटापे की वजह से ही उत्पन्न होती हैं। आज के युवाओं की जीवनशैली से शारीरिक श्रम तो बिल्कुल गायब सा होता जा रहा है। उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, कंप्यूटर अथवा लैपटॉप पर कार्य करते हुए बीत जाता है। ऑफिस से घर एवं घर से ऑफिस वाली दिनचर्या उन्हें शारीरिक व्यायाम से कोसों दूर लेती जा रही है। निस्संदेह भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाने वाली मोटापे की समस्या की चिंता करते हुए उठाया गया कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ही भारत के प्रत्येक नागरिक को भी यह समझना होगा कि इस अभियान को सफल बनाना प्रत्येक व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है। जब तक हम स्वयं समस्या की गंभीरता एवं इसके प्रभावों के विषय में जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम समाज एवं राष्ट्र के प्रति इस समस्या के संदर्भ में कोई योगदान नहीं कर सकते। यह एक कड़वा सच है कि समस्या का पूर्णरूपेण उन्मूलन तभी संभव है जब समाज का हर तबका एवं देश का हर नागरिक इस समस्या की जड़ तक जाते हुए इससे मुक्त होने का भरसक प्रयास करे।

(लेखक विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग एसएसपीजी कॉलेज, शाहजहांपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रज्ञा के जागरण से बदलेगी दृष्टि

संकलित

दर्शन

आंख साफ है तो दुनिया साफ है। आंख में धुंधलापन है तो सारी दुनिया धुंधली हो जाती है। तर्कशास्त्र में 'द्विचंद्रबोध' की बात आती है। चांद है तो एक, किंतु दृष्टि दोष के कारण वह दो दिखाई देता है। जीवन-निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है- दृष्टिकोण का विपर्यय। जीवन-निर्माण का सबसे बड़ा रहस्य-सूत्र है-दृष्टिकोण का निर्माण। प्रसिद्ध कहावत है- 'जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि।' पहले हम दृष्टि को बदलने की बात करें। सृष्टि को बदलने की बात पहले न करें। यदि दृष्टि बदलती है तो प्रयोजन पूरा हो जाता है। सृष्टि अपने आप बदल जाती है। उसके लिए इतनी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सबसे जटिल प्रश्न है दृष्टि को बदलना। यदि ध्यान के द्वारा दृष्टि बदल जाती है तो बहुत कुछ हो सकता है। मेरा विश्वास प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है कि जिसने सच्चाइयों का साक्षात्कार कर लिया है, उसकी दुनिया बदल जाती है। जिसने सच्चाई का साक्षात्कार नहीं किया, वह हजार बार दुहाई देगा, पर बदलेगा नहीं। सबसे बड़ा प्रश्न है- सत्य का साक्षात्कार। दृष्टि बदलने का अर्थ है- सत्य का साक्षात्कार होगा। जो ज्ञान बाहर से पैदा होता है वह है- इंद्रिय ज्ञान। प्रज्ञा है- आंतरिक ज्ञान। वह 'आयसमुत्था' बाहर से पैदा नहीं होती। एक अनपढ़ आदमी बहुत प्रज्ञावान और बहुत ज्ञानी हो सकता है। एक पढ़ा-लिखा आदमी बड़ा मूर्ख हो सकता है। प्रज्ञा का जागरण भीतर होता है। शक्ति का जागरण भीतर होता है। हम बाहर शक्ति को खोजते हैं। किंतु मूल स्रोत हमारे भीतर है। प्राण शक्ति प्रबल होती है तो बाहर की शक्ति भी काम आती है। प्राण शक्ति नहीं है तो बाहर की शक्ति भी सहारा नहीं दे सकती।

हर दिन को होगा सुखद और आनंददायक

संकलित

प्रेरणा

जीवन के हर दिन को आप सुखद बनना चाहते हैं लेकिन हर दिन आपका कैसा सुखद बनेगा। इस विषय में अगर आप सोच विचार कर रहे हैं तो सद्गुरु श्री मधुसूदन साई के बताए आध्यात्मिक मार्ग पर चलना चाहिए। वस्तुतः, आनंद प्रत्येक व्यक्ति का सच्चा लक्ष्य है। मनुष्य आनंद की लालसा करता है और इसे अनेक रीतियों से खोजने का प्रयास करता है। वह अच्छा भोजन करने में, मैत्रीपूर्ण सामाजिक समूहों में, स्नेही परिवार में, एक भारी-भरकम वेतन में, शानदार पर्यटन में, तथा सबसे बढ़िया घरों एवं कारों में आनंद प्राप्त करता है। फिर भी, अपनी आशा के अनुरूप प्राप्त कर लेने के उपरांत भी, उसकी प्रसन्नता स्थायी नहीं रहती है। जीवन के उतार-चढ़ाव उसे बार-बार झकझोरते रहते हैं। चाहे वह खाना हो, सोना हो, खेलना हो, प्रार्थना करना हो अथवा कार्य करना। अपनी सभी गतिविधियों को संतुलित करने से आपके जीवन में जो संतुलन आएगा, वह आपके जीवन के प्रत्येक दिन को पूर्णता से जीने में सहायता करेगा। वह करें, जिसके लिए आप जन्मे हैं। अपने जुनून को अपना पूर्णकालिक व्यवसाय बनाएं। आप प्रत्येक दिन संतुष्टि का अनुभव करेंगे तथा सदैव अपनी उत्कृष्टता की पराकाष्ठा प्राप्त करेंगे। आप अपनी आयु के आधार पर अपना परोपकार का चार्ट बना सकते हैं। परोपकार का आपकी वित्तीय व्यवस्था में एक अंश अवश्य होना चाहिए, क्योंकि केवल इसका समावेश ही आपको अद्वितीय संतोष की अनुभूति प्रदान कर सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर बेजा कब्जा

राजधानी की सड़कों के दोनों ओर दुकानदारों के बेजा कब्जे से सड़कों पर जाम लगने लगा है। सुबह और शाम के वक्त संतोषीनगर से रिंग रोड तक पहुंचना मुश्किल होता है। रिंग रोड के आसपास आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। खासकर दुकानदार कई फीट सड़क पर सामान रख रहे हैं। ऐसे में सड़कें संकरी हो जाती है और लोगों का गुजरना मुश्किल होता है। निगम और ट्रैफिक पुलिस एक-दो बार कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। फिर स्थिति ज्यों की त्यों हो जाती है।

– **राजेंद्र कुमार**, संतोषीनगर

ट्रेंड

कन्नड़ के लिए गर्व का क्षण

कन्नड़ साहित्य के लिए गर्व का क्षण है। बानू मुश्ताक का कन्नड़ लघुकथा संग्रह अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की लॉग लिस्ट में शामिल हुआ है। यह हमारी भाषा और संस्कृति के लिए एक बड़ा सम्मान है!

-सिद्धारमैया, सीएम, कर्नाटक

निवेशकों का भरोसा उठ रहा

देश के शेयर बाज़ार के लगातार गिरने का कारण यदि विदेशी निवेशकों का भारतीय बाज़ार से पैसा निकालना है तो ये दर्शाता है कि विदेशी निवेशकों का भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था से भरोसा उठ गया है। निवेश को आकर्षित करने के नाम पर जो करोड़ों ख़र्च किया जाता है, वो कितना निरर्थक है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

बीएफआई का चुनाव

भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है कि वे विदेश में अभ्यास करें। इसके लिए मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द चुनाव कराने की जरूरत है। अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो मुझे योगदान करने में खुशी होगी।

-विजेंदर सिंह, भारतीय मुक्केबाज

थ्रिलर श्रृंखला की शूटिंग

कुछ रहस्य यूं ही नहीं खुलते, वे आपको अंदर खींच लेते हैं, आपको अनुमान लगाने पर मजबूर कर देते हैं और जाने नहीं देते। हमें इस मामले में एक सुराग मिल गया है। एक नई रहस्य थ्रिलर श्रृंखला बन रही है! इसकी शूटिंग शुरू हो गई है।

परिणीति चोपड़ा, अभिनेत्री

करंट अफेयर

इंटरनेट की लत से लड़ने में मदद के लिए एम्स में केंद्र

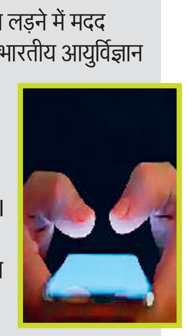

बच्चों और युवाओं को इंटरनेट तथा प्रौद्योगिकी की लत से लड़ने में मदद करने के लिए देश में अपनी तरह का पहला केंद्र अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में स्थापित किया जाएगा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने हाल ही में तकनीक के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग से संबंधित व्यसनकारी व्यवहार पर उन्नत शोध केंद्र (सीएआर-एबी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एम्स, दिल्ली में व्यवहार व्यसन क्लीनिक (बीएसी) के संकाय प्रभारी यतन पाल सिंह बल्हारा इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग को एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना गया है। डॉ बल्हारा ने कहा कि भारत के आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) में बच्चों और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि को इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से जोड़ा गया है और बच्चों एवं किशोरों को उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए इंटरनेट से दूर रखने के लिहाज से स्कूल एवं परिवार के स्तर पर हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र लत लगने संबंधी विभिन्न व्यवहारों पर समग्र रूप से ध्यान देगा।

ऑफ बीट

मंगल ग्रह का लाल रंग लौहयुक्त खनिज की उपस्थिति के कारण

एक नए अध्ययन के अनुसार मंगल ग्रह का लाल रंग लौह-युक्त खनिज की उपस्थिति के कारण हो सकता है, जिसके निर्माण के लिए ठंडे पानी की आवश्यकता होती है और इससे यह संभावना मजबूत होती है कि यह ग्रह अतीत में रहने योग्य रहा होगा। 'नेचर कम्युनिकेशन्स' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि लाल ग्रह पर स्थित धूल विभिन्न खनिजों का मिश्रण है, जिसमें आयरन ऑक्साइड भी शामिल है, जिनमें से एक – फेरिहाइड्राइट – ग्रह के रंग का कारण हो सकता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल फेलो तथा अध्ययन के प्रमुख लेखक एडम वैलेंटिनास ने कहा, हम फेरिहाइड्राइट को मंगल ग्रह के लाल होने का कारण मानने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन अब हम अवलोकन डेटा और प्रयोगशाला के नए तरीकों का उपयोग करके इसका बेहतर परीक्षण कर सकते हैं, ताकि अनिवार्य रूप से प्रयोगशाला में मंगल ग्रह की धूल बनाई जा सके। उन्होंने कहा, हमारे विश्लेषण से, हमें विश्वास है कि फेरिहाइड्राइट धूल में हर जगह है और संभवतः चट्टान संरचनाओं में भी है। हालांकि, चूंकि फेरिहाइड्राइट ठंडे पानी की मौजूदगी में बनता है और पहले लाल रंग देने वाले माने जाने वाले हेमेटाइट जैसे खनिजों की तुलना में कम तापमान पर बनता है, इसलिए निष्कर्ष बताते हैं कि मंगल पर टिकाऊ तरल पानी को बनाए रखने में सक्षम वातावरण हो सकता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

मिनी इंडिया में आपसी भाईचारे का संदेश

बाबा की बारात में शामिल हुए डॉ. रमन सिंह और किरण देव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

महाशिवरात्रि पर बोलबम समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबा की बारात निकाली गई। बाबा की बारात में आपसी भाईचारे के संदेश दिया गया। केरल, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, ओडिशा सहित दक्षिण भारत की आकर्षक झांकियों और नृत्यों ने सभी का मनमोहा।

■ शिवरात्रि पर हथखोज से निकली बारात में भूत-पिशाच नजर आए, आकर्षक झांकियों और नृत्य की भी प्रस्तुति

आयोजन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरणदेव, दुर्ग सांसद विजय बघेल, संगठन महामंत्री पवन साय, अजय जामवाल, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुई बाबा की बारात शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान हिंदु, मुस्लिम, सिख, इसाई सहित अन्य धर्मों के लोग बाबा की बारात में शामिल हुए। बाबा की बारात में देश के अलग-अलग प्रांतों की संस्कृति की छलक देखने को मिली। रात करीब साढ़े 8 बजे बारात खुर्सीपार मैदान पहुंची, जहां विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। साथ ही बाबा भोलेनाथ के विवाह संस्कार संपन्न कराए गए। आयोजन का यह 17 वां साल रहा। समिति प्रमुख व उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने इस अवसर पर कहा कि कार्यक्रम की भव्यता हर साल बढ़ते जा रही है। प्रदेशभर में इसकी चर्चा होती है। डॉ. रमन सिंह ने सभी को महाशिवरात्रि की बधाई दी। साथ ही आयोजन की प्रशंसा की।

बाइक से गिरने से महिला की मौत

महासमुंद। इलाज कराने जा रही एक महिला की एक्सीडेंट में मौत हो गई। रिपोर्ट पर बसना थाने में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि 25 फरवरी को घनश्याम साहू निवासी दुरूगपाली अपनी मां सुंदरमोती साहू को इलाज कराने मोटर सायकल हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 06 जीयू 3444 में बिठाकर दुरूगपाली से नौगड़ी ले जा रहा था। ग्राम नौगड़ी के पास मोड़ में तेज व लापरवाही पूर्वक चलाने से मोटर सायकल रोड किनारे फिसलकर खेत में गिर गई। जिससे बाइक के पीछे बैठी सुंदरमोती साहू गिर गई और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

चौकीदार को भी दिखा ब्लैक पैंथर, निगरानी के लिए रतजगा कर रहा फारेस्ट अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरिया-राजनांदगांव

छुरिया की मां दंतेश्वरी मंदिर की पहाड़ी में ब्लैक पैंथर की दस्तक से छुरिया के रहवासियो में दहशत की स्थिति निर्मित है। मंगलवार को पहाड़ी की चट्टान में दिखने के बाद बुधवार को वन विभाग के एक चौकीदार ने भी ब्लैक पैंथर को देखा है। ब्लैक पैंथर की निगरानी के लिए वन महकमे ने रेंजर सहित वन कर्मियों की ड्यूटी लगाई है। फारेस्ट अमला पिछले तीन-चार दिनों से रतजगा कर निगरानी में जुटा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि छुरिया की मां दंतेश्वरी मंदिर पहाड़ी में पिछले एक हफ्ते से ब्लैक पैंथर के होने की चर्चाएं सरगर्म थी। मंगलवार शाम जब एक चट्टान में चहल-कदमी करते लोगों ने इसकी जानकारी फारेस्ट अमले को दी। सूत्रों ने बताया कि फारेस्ट का अमला कल शाम से पहाड़ी के आसपास निगरानी कर रहा है। बुधवार सुबह ड्यूटी में तैनात वन विभाग के एक चौकीदार ने दुलर्भ ब्लैक पैंथर को देखा है। चौकीदार ने इसकी सूचना फारेस्ट अफसरों को दी है। फारेस्ट अफसर जब वहां पहुंचते, तब तक पैंथर वहां से जा चुका था। डीएफओ आयुष जैन का कहना है कि निगरानी के लिए अमले को मौके पर तैनात किया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे पहाड़ी पर न जाए।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कोड़ेनार थाना क्षेत्र के तिरथुम मुख्य मार्ग में मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में दो बाइक के चालकों की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका उपचार अस्पताल में जारी है।

■ तिरथुम मुख्य मार्ग में देर शाम बाइक आपस में भिड़ी

हादसा तब हुआ जब एक बाइक चालक अपने मित्र के साथ जगदलपुर से बास्तानार की ओर जा रहा था जबकि दूसरा बास्तानार से जगदलपुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाइक में भिड़न्त हो गई। कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम तिरथुम के पास मंगलवार की देर शाम को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं एक घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस के मुताबिक जगदलपुर से एक बाइक से अमित देवनाथ व उसका मित्र आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाईक की आमने सामने से टक्कर हो गई। हादसे में किरंदुल निवासी अमित देवनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा उसका दोस्त घायल हो गया। वहीं दूसरी बाइक में सवार चालक मिलिंद कुमार ने भी दम तोड़ दिया।

ट्रैक्टर के पीछे टकराई बाइक, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

ट्रिपल सवार तेज रफ्तार बाइक सामने जा रही ट्रैक्टर के पीछे टकरा गई। घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है।भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम अंवरी निवासी नागेश्वर निर्मलकर उम्र 23 वर्ष, राकेश साहू 21 वर्ष ग्राम भैंसबोड़ निवासी व घनश्याम ध्रुव मंगलवार की शाम बाइक में सवार होकर ग्राम भैंसबोड़ से ग्राम पलारी शादी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम हंचलपुर के पास तेज रफ्तार उनकी बाइक सामने जा रही ट्रैक्टर से टकरा गई। घटना में बाइक में सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को संजीवनी 108 की मदद से उपचार के लिए भखारा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टर ने चेकअप के बाद राकेश साहू व नागेश्वर निर्मलकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं बाइक में सबसे पीछे बैठे घनश्याम को रिफर कर दिया। घायल को धमतरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसका इलाज जारी है। सूचना पर भखारा पुलिस अस्पताल पहुंची। पंचनामा की कार्रवाई कर शवों को बुधवार को कुरूद अस्पताल के मर्रच्यूरी में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

हंचलपुर के पास हुआ

पिता के देहांत के बाद तालाब गए पुत्र की डूबने से मौत

राजनांदगांव। शहर के कौरिनभांठा में पिता के देहांत के बाद तालाब कार्यक्रम के लिए गए पुत्र की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बुधवार दोपहर लगभग 01 बजे 44 वर्षीय मृतक मोहन सिंह चौहान अपने स्वर्गीय पिता शिवचरण चौहान को पानी देने की परंपरा पूरी करने कौरिनभांठा के बड़े तालाब गया हुआ था, तभी वह तालाब के गहरे पानी में दलदल के बीच फंस गया। जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई।

मामले की सूचना मिलने पर बसंतपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन मृतक का पता नहीं चलने पर एसडीआरएफ की गोताखोर टीम बुलाई गई और लगभग 04 बजे मृतक का शव तालाब से बाहर निकाला गया।

कुछ दिन पहले ही पिता की मौत : बताया जा रहा है कि कौरिनभाठा निवासी शिवचरण चौहान की दो-तीन दिन पहले ही मौत हुई थी। वहीं अब तालाब में डूबने से उनके पुत्र की मौत के बाद परिजनों को गहरा आघात लगा है।

काफी तलाश के बाद मिला शव

इधर युवक के तालाब में डूबने की सूचना मिलने पर कौरिनभाठा क्षेत्र के लोग और परिजन भी मौके पर पहुंचे। काफी तलाश के बाद युवक के शव को तालाब से बाहर निकाला जा सका। पुलिस के अनुसार मृतक का शराब के नशे में होना बताया जा रहा है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

युवक के तालाब में डूबने की सूचना मिलने पर बसंतपुर थाना की पुलिस और एसडीम खेमलाल वर्मा भी मौके पर पहुंचे और मृतक के शव का पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया। वहीं पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

+Terms and conditions apply. #Cashback Offer is available on purchase of any Honda two wheeler model includes 5% cashback upto maximum of ₹5000 on EMI transactions using HDFC bank credit card and IDFC FIRST bank credit card through Pine Labs machines only. #The scheme is available in selected outlets only. #Cashback offer is valid until 31st March 2025. **The finance scheme is at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. **The offers may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Schemes of Scratch & Win with assured gift and ₹2000 Exchange Bonus on all models are offered by Authorised Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of all models from Authorised Main Dealers and Associate Dealers. *This scheme is for both Finance & Cash Customers. *The offers are applicable in Uttar Pradesh, Uttarakhand, Madhya Pradesh, Chhattisgarh only. *Scheme can be withdrawn from the market without prior notice. *Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1 , Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: **AARANG:** V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; **ABHANPUR:** Patel Honda - 9009328660; **BAGBHARA:** Sri Sai Honda - 7697767777; **BALODA BAZAR:** Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; **BASNA:** Laxmi Honda - 9174137571; **BEERGAON:** Vishwanath Honda - 9300133077; **PALARI:** Shri Ram Honda - 8305759763; **BEMETARA:** Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; **BHAKARA:** Nitesh Honda - 9907975628; **BHATAPARA:** Kiran Honda - 9111353292; **BHILAI:** Aan Honda (Nehru Nagar) - 9584378238, 9826635600; Aan Honda (Powerhouse) - 9584378238, 9826635600; **BIJAPUR:** Ansh Honda - 9424299203; **CHARODA:** Rahul Honda - 9827193194; **CHARAMA:** Neeraj Honda - 9425230052; **CHUIKHADAN:** Shri Radhey Honda - 9691692500; **DALLIRAJHARA:** Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; **DHAMTARI:** ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; **DHARSIVA:** R S.Honda - 9669880000; **DONGARGARH:** Gagan Honda - 9806869214; **DURG:** Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; **FINGESHWAR:** Bangani Honda- 9425402966; **GIDHORI:** Subhkamana Auto -7389320271; **GUNDERDEHI:** Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; **GURUR:** Baba Honda - 9827936712; **JAGDALPUR:** Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; **KONDAGAON:** Danteshwari Honda - 9294566660; **SUKMA:** Akash Honda - 9424287457, 7587341845; **PHARASGAON:** Shri Deo Honda - 9993861735; **KANKER:** Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; **KASDOL:** Laxmi Honda - 8871233553; **KESHKAL:** Chattishgarh Honda - 9993293467; **KHAIRAGARH:** Akshat Honda - 9406534734; **KURUD:** Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; **MAGALOAD:** Dewangan Honda - 9098136447; **MAHASAMUND:** Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; **NAGRI:** Nahta Honda- 9424211105; **NAWAGARH:** Raja Honda - 9826067896; **PAKHANJUR:** Disha Honda - 6261666932, 9406453860, **PANDUKA (GARIABAND):** Shresth Honda - 8109902966; **RAIPUR:** A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; **RAJIM:** Gulab Honda - 8839708788; **RAJNANDGAON:** Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 94242157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; **SEJBAHAR:** R.S Honda - 9754123000; **KHARORA:** B.K Honda - 9867224777; **TILDA:** Agrawal Honda - 9424200104; **UTAI:** Ganpati Honda - 09926083389; **SARAIPALI:** Pukraj Honda - 8889798000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda2wheelersindia.com

महाशिवरात्रि के अवसर पर बनारस, यूपी के काशी विश्वनाथ मंदिर सहित देशभर में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। वाराणसी में भव्य शोभा यात्रा निकालने से लेकर छोटे शहरों में शांतिपूर्ण अनुष्ठानों तक लोग भगवान शिव से आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए।

बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंचे अखाड़े के संत

देशभर में महादेव के भक्तों ने की पूजा-अर्चना

महाशिवरात्रि में शिवालयों में उमड़ी भीड़

शिवोहम शिव मंदिर, बेंगलुरु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाशिवरात्रि के पर्व पर वाराणसी में नागा साधुओं और अखाड़ों के साधु- संतों ने शोभा यात्रा निकाल कर बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया। इस शोभा यात्रा में अखाड़ों के महामंडलेश्वर शाही रथ पर विराजमान हुए थे। काशी के लोगों ने 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। शोभा यात्रा में नागा साधु हाथ में त्रिशूल, गदा और तलवार लिए बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंचे और जलाभिषेक किया। इस दौरान डमरू की ध्वनि और 'हर हर महादेव' के उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिमय रहा।

शिव का दर्शन करके कुंभ को पूर्ण मानते साधु-संत

शोभा यात्रा में शामिल निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानन्द गिरि महाराज ने कहा, 'साधु-संत महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का दर्शन करके कुंभ को पूर्ण मानते हैं। हम सब साधु-संत अपने भगवान के चरणों में उपस्थिति दर्ज कराई है। महादेव ने महाकुंभ को विशाल और भव्य बनाया।'

रणवीरेश्वर मंदिर ,जम्मू

काशी विश्वनाथ मंदिर अद्भुत आभा

महाशिवरात्रि के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य प्रांगण की भव्य आभा देखते ही बन रही है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के द्वार से लेकर सभी मंडपों, विग्रहों के मंदिरों की फूलों से आकर्षक सजावट की गई है। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि गेट नंबर-चार से लेकर गंगा द्वार तक की गई मनभावन सजावट को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हुए। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 25 फरवरी से 27 फरवरी तक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सभी तरह के प्रोटोकॉल पर रोक लगायी गई है।

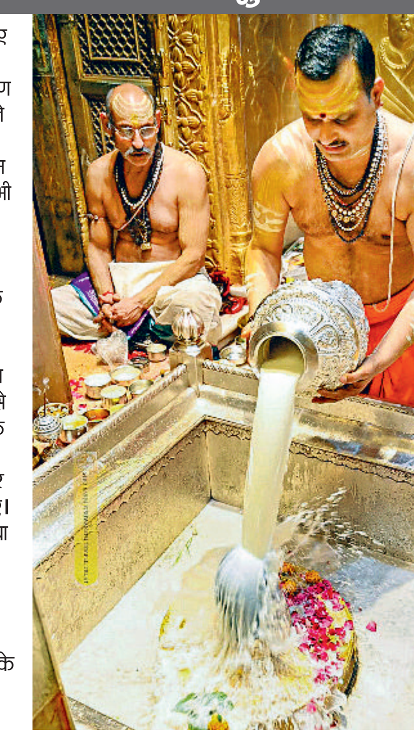

देवघर, झारखंड

जैकेट के शेष

दिव्य, भव्य सनातनी ....

अंतिम स्नान पर्व पर तड़के चार बजे से ही व्यवस्था की निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष में पहुंच गए। गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां वह स्नान पर्व पर पल-पल की निगरानी करते नजर आए। 'पुष्प वर्षा' के प्रभारी वी के सिंह ने बताया कि स्नानार्थियों पर हर बार गुलाब की 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई गई और कुल 120 क्विंटल पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा कराई गई है। उन्होंने बताया कि पहले दौर में सुबह आठ बजे पुष्प वर्षा कराई गई तथा सभी घाटों पर छह बार पुष्प वर्षा कराई गई। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाले महाकुंभ में पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को हुआ था। आज अंतिम स्नान पर्व है और महाशिवरात्रि पर ब्रह्ममुहूर्त से ही देश के कोने कोने से श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे।

सीएम साय का बड़ा ऐलान ....

निर्णय छत्तीसगढ़ की जनता को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने और युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम एवं शौर्य की भावना जागृत करने के उद्देश्य से लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'छावा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि ऐतिहासिक परंपराओं, वीरता और स्वाभिमान की गाथा है, जिसे हर नागरिक को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह फिल्म युवा वर्ग को प्रेरित करेगी और छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य, बलिदान और नेतृत्व को व्यापक रूप से प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय के इस फैसले से राज्य के सिनेमाघरों में फिल्म देखने के इच्छुक दर्शकों को मूल्य में राहत मिलेगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इसे देख सकेंगे और भारतीय इतिहास की समृद्ध विरासत से प्रेरणा ले सकेंगे।

सीएम ने की प्रदेश के खुशहाली ...

विधान के साथ आरती उतारी। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, राम प्रताप सिंह सहित संत महात्मा अनेक गणमान्य नागरिक एवं धर्ममयी श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

एक ही नाम, एफिलेशन ....

विद्यालयों को शैक्षणिक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में अलग-अलग संसाधनों की व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने बताया कि अगर कोई छात्र शाखा विद्यालय से मुख्य विद्यालय में दाखिला लेना चाहे तो यह प्रकिया निर्बाध होगी और नियमों के अनुसार इसे नया प्रवेश नहीं माना जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य स्कूल में छठी कक्षा से 12वीं तक की कक्षाओं के संचालन की अनुमति दी गई है जबकि शाखा स्कूल में प्री-प्राइमरी से पांचवी तक की कक्षाएं होंगी।

मंदिर से लौटते ....

43 पर जैसे ही वाहन सवार बालमपुर टीबीसीएल प्लांट के समीप पहुंचे अंबिकापुर से सीतापुर की ओर जा रहे कंटेनर क्रमांक सीजी 15 ईसी 2055 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बोलेरो वाहन को टक्कर मार दिया। टक्कर मारने के बाद कंटेनर का चालक कुछ दूर जाने के बाद वाहन छोडकर फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो वाहन बुरी से क्षतिग्रस्त हो गया जबकि ग्रामीण वाहन में ही फंस गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकालने के साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची सीतापुर व बतौली पुलिस की टीम द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालने के साथ ही एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए सीतापुर अस्पताल में भर्ती कराया। **एक ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तोड़ा दम** : इस घटना में 12 वर्षीय आयुष आ. संजय, 4 वर्षीय विवान आ. संजय, 10 वर्षीय दीपिकारानी आ. चक्रधारी, 35 वर्षीय दुलारी पति कुर्नेश, 32 वर्षीय रुपनी पति चक्रधारी, 26 वर्षीय भागीता पति संजय गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर किया गया था जबकि संजय व एक अन्य युवक का उपचार स्थानीय अस्पताल में ही किया गया। इस घटना में गंभीर रूप से घायल बालक आयुष आ. संजय ने भी अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया और अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।

भड़का लोगों का ....

कंटेनर को आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा स्थिति को नियंत्रण में लेने के साथ ही कंटेनर में लगी आग को बुझाया गया। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है।

सीएम ने जताया ....

पहुंचाया गया है। प्रशासन को बेहतर चिकित्सकीय व्यवस्था के निर्देश दी गए है। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शान्ति एवं शोकाकुल परिजन को संबल प्रदान करने व घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

पेज एक के शेष

रायपुर में 25 ब्लैक...

ज्यादा हुए। रोड सेफ्टी सर्वे में यह बात सामने आई है कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव और रायगढ़ समेत अन्य जिलों के नेशनल हाईवे पर सबसे अधिक हादसे इसलिए हो रहे हैं कि रोशनी की व्यवस्था न होने से रात में अंधेरे में ये डूबे रहते हैं। इसके कारण वाहन सवार सामने से आ रहे वाहन से टकराकर काल के गाल में समा रहे हैं। मरने वालों में ज्यादातर दोपहिया वाहनसवार हैं।

आपराधिक मामलों में ...

में कहा गया है, यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है। अपने हलफनामे में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। हलफनामे में कहा गया है कि उक्त धाराओं के तहत घोषित की जाने वाली अयोग्यताएं संसदीय नीति का विषय हैं और आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मामले में, न्यायालय प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, हालांकि, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत में अधिनियम की धारा 8 की सभी उप-धाराओं में 'छह वर्ष' के प्रावधान को 'आजीवन' पढ़े जाने का अनुरोध किया गया है। इसने कहा कि आजीवन अयोग्यता, प्रावधानों के तहत लगाई जा सकती है और ऐसा विवेकाधिकार 'निश्चित रूप से संसद के अधिकार क्षेत्र में' है।

जंगल में नक्सलियों की...

थाना क्षेत्र में खोले गए नवीन कैम्प गोमगुड़ा क्षेत्र से बुधवार को पीएलजीए बटालियन के कोर जोन मीनागट्टा के जंगल में नक्सलियों के छुपाए हुए भारी मात्रा में डंप मेडिकल उपकरण मशीन ,कटर मशीन सहित लॉजिस्टिक सामग्री सुरक्षा बलों ने बरामद किया। मीनागट्टा के जंगल क्षेत्र मे नक्सलियों की उपस्थित की सूचना पर कोबरा, सीआरपीएफ व जिला बल की संयुक्त टीम नक्सल गस्त सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। सर्चिंग के दौरान पहली बार माओवादियो के द्वारा आंखों की जांच के लिए इस्तेमाल में लाए गए मशीन की बरामदगी की गई।

बरामद सामान में यह शामिल : नेत्र परीक्षण मशीन (आईओएल मास्टर ऑप्टोमीटर), नेत्र परीक्षण लेंस किट, टिन शीट की इम्प्रोवाइज्ड प्लेट जिसे नक्सली बीपी प्लेट के रूप में इस्तेमाल करते थे, के अलावा कॉटन रिबन ब्लैक, मोटर बेल्ट के साथ आयरन कटर मशीन, आयरन कटिंग ब्लेड, एल्युमिनियम फोल्डेबल सीढ़ी, स्पीकर पोर्टेबल, इलेक्ट्रिक स्विच बोर्ड, कॉमरेड रेड फ्लैग, हॉट वाटर बैग तथा स्टेथोस्कोप आदि।

हारे हुए को थमा दिया...

शिकायत आवेदन देकर मामले की जांच की मांग की गई। साथ ही चुनाव आयोग को भी इस संबंध में शिकायत करने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार एमसीबी जिले के भरतपुर तहसील अंतर्गत त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2025 का तीसरे व अंतिम चरण का मतदान 23 फरवरी को संपन्न हुआ और 25 फरवरी को जीते हुए प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया, तब भारी गड़बड़ी का खुलासा हुआ। मिली जानकारी के अनुसार भरतपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत ओहनियां में 23 फरवरी को संपन्न हुए मतदान के बाद मतदान कर्मियों ने मतगणना की, तब सरपंच प्रत्याशी जगत बहादुर सिंह को सर्वाधिक मत मिले, इसके बाद जगत बहादुर व उनके समर्थकों के द्वारा जमकर जश्न मनाया, लेकिन दो दिन बाद 25 फरवरी को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा हारे हुए प्रत्याशी जयकरण सिंह के नाम जीत का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, इसकी जानकारी जीते प्रत्याशी जगत बहादुर व समर्थकों को मिली तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए नाराजगी व्यक्त की गई और मामले की जांच के लिए तहसीलदार भरतपुर को लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की गई।

एक गणना परिणाम में लाल क्रास : शिकायतों के अनुसार ग्राम पंचायत ओहनिया के मतदान केन्द्र क्रमांक 137 के पीठासीन अधिकारी द्वारा जारी गणना परिणाम जारी किया, उसमें सर्वाधिक वोट पाए जगत बहादुर सिंह एवं कम मत प्राप्त किए जयकरण सिंह का जारी किया गया। दोनों के नाम व प्राप्त मत के बीच लाल पेन से क्रास कर प्राप्त परिणाम को उल्टा बताया गया, लेकिन ऐसा किसने किया यह जांच का विषय है। इसी आधार पर परिणाम उलट फेर हुआ। यह जांच का विषय है कि आखिर पीठासीन अधिकारी द्वारा इस तरह की गलती की है तो वहां पर सत्यापित किया जाना चाहिए था या फिर त्रुटी सुधार कर नया गणना परिणाम जारी करना चाहिए था न कि लाल स्याही से क्रास करना चाहिए। यह जांच का विषय है। वहीं जिस गणना परिणाम में दोनों प्रत्याशियों के नाम व प्राप्त मत के बीच लाल स्याही से क्रॉस किसने किया। वहीं जिस परिणाम पत्रक में लाल स्याही से क्रास किया गया है, वह काला इंक से परिणाम लिखा गया है, वहीं जिसमें गड़बड़ी नहीं है, उसमें नीला इंक से परिणाम लिखा गया है। यह अब जांच का विषय है। शिकायत पर इस पर निष्पक्ष जांच की जरूरत है।

ट्रंप ने बदली 35 साल पुरानी व्यवस्था

अमेरिकी नागरिकता होगी 5 गुनी महंगी 44 करोड़ में मिलेगा गोल्ड कार्ड वीजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नागरिकता पॉलिसी में बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में 'गोल्ड कार्ड'नाम से नया वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया। इसे खरीदने लिए 5 मिलियन डॉलर यानि 44 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। गोल्ड कार्ड अमेरिकी नागरिकता के लिए आसान रास्ता हो सकता है। अमेरिका में नागरिकता पाने वालों के लिए अभी EB-5 वीजा प्रोग्राम सबसे आसान रास्ता है। जो 1 मिलियन डॉलर यानि 8.75 करोड़ रुपए में मिल जाता था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप अब करीब 5 गुना महंगा गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम ला रहे हैं। उन्होंने इसे EB-5 वीजा प्रोग्राम का बेहतर विकल्प बताया है। कहा, भविष्य में 10 लाख गोल्ड कार्ड बेचेंगे।

खास बातें

- ईबी-5 वीजा की जगह लेगा ट्रंप का गोल्ड कार्ड
- ग्रीन कार्ड चाहने वाले भारतीय चिंतित!
- 14 दिनों में प्रभावी हो जाएगा गोल्ड कार्ड

इसलिए बढ़ी भारतीयों की चिंता

अमेरिका में लगभग 10 लाख से अधिक पेशेवर भारतीय ग्रीन कार्ड के इंतजार में हैं। अब नई सरकार की गोल्ड कार्ड की घोषणा से उनके मन में चिंता है कि क्या वो भी इसके जरिए स्थायी नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे या नहीं? पूर्व में ईबी-5 के जरिए विदेशियों को ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए अमेरिका की किसी परियोजना में 10.5 लाख डॉलर या संकटग्रस्त क्षेत्रों में 8 लाख डॉलर का निवेश करना मपड़ता था।

गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम का उद्देश्य

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम से जुड़े एक्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर कर दिए। साथ ही बताया कि यह वीजा कार्ड अमेरिकी नागरिकता के रास्ते खोलेगा। साथ ही नागरिकों को ग्रीन कार्ड जैसा स्पेशल राइट देगा। बताया कि जो लोग यह बीजा खरीदकर अमेरिका आएंगे, वह पर्याप्त टैक्स भी भरेंगे। इस प्रोग्राम राष्ट्रीय कर्ज के भुगतान में आसानी होगी।

इजराइल 4 शवों के बदले में रिहा करेगा सैकड़ों कैदी

एजेंसी ▶▶| तेल अवीव

इजरायल ने बीते डेढ़ सालों में हमास के साथ भीषण जंग लड़ी है। इस युद्ध में करीब 46 हजार लोग मारे गए हैं। इसके बाद अब सीजफायर लागू है, लेकिन इजरायल को इसमें अपने कैदियों के बदले कठिन डील करनी पड़ी है। यही नहीं अपने उन 4 कैदियों के शवों के बदले में भी उसे सैकड़ों कैदी रिहा करने होंगे, जिन्हें आतंकी घटनाओं के आरोपों में उसने गिरफ्तार किया था। यह डील सीजफायर के पहले राउंड के खत्म होने के ठीक पहले होने वाली है।

- नेतन्याहू को करनी पड़ रही हमास से अपमानजनक डील

इजरायल ने शनिवार से ही 600 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई को टाल रखा है। उसका कहना है कि हमास उसके साथ जो डील कर रहा है, वह बेहद क्रूर है। वहीं हमास का कहना है कि इजरायल की ओर से देरी करना सीजफायर का गंभीर उल्लंघन है। यदि इस प्रस्ताव पर अमल नहीं हुआ तो फिर दूसरे राउंड का सीजफायर मुश्किल होगा। हमास के प्रवक्ता अब्दुल लतीफ अल-कानु ने जैसे ही इजरायल की ओर से 600 कैदियों को रिहा किया जाएगा, उसके अगले ही दिन वे 4 कैदियों के शवों को सौंप देंगे।

गुमशुदा

जुगनू उरांव

जुगनू उरांव पिता शानिचरवा उरांव जो ग्राम रौल, प्रखण्ड कांके, जिला रांची, झारखण्ड का रहने बाला है जो खाखी रंग पेंट, व्हाईट एवं ब्लू धारधारी स्वेटर, सफेद रंग कमीज पहने हुए है, यह आदमी दिनांक 24/02/2025, दिन सोमवार को राज्य कृषि प्रबन्धन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेति) लभांडी, रायपुर, छतीसगढ़ से गुम हो गया है जो भी इसके बारे में जानकारी उपलब्ध करायेगा उसे 21000/- (इक्कीस हजार) कैश इनाम दिया जायेगा।

मो. नं. 8294973717, 6200681002, 8340782287

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 5791

■ मंगल सेनाचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए-

2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -5790 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्क	र		र्म	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र

सूडोकु नवताल 5801

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5800 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. प्रतीक पोरवाल
जी.आई. सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

स्पेशल: वर्ल्ड ओबेसिटी-डे, 4 मार्च

बढ़ते वजन के साथ बढ़ती हैं अनेक बीमारियों की आशंका

पूरी दुनिया में ओवरवेट होना यानी मोटापा, एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम बन कर उभर रहा है। मोटापे की समस्या किसी भी व्यक्ति को रातों-रात यानी अचानक उत्पन्न नहीं होती है। लंबे समय तक गलत जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान, मोटापे की समस्या उत्पन्न करते हैं। यह स्थिति कई अन्य बीमारियों की वजह बनती है। इस बारे में जानना सभी के लिए जरूरी है

आमतौर पर मोटापा वह शारीरिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। जब किसी व्यक्ति की लंबाई के अनुपात में उसका वजन एक निश्चित मानक सीमा से अधिक हो जाता है तो उसे मोटापे की स्थिति कहा जाता है।

क्या है मॉर्बिड ओबेसिटी

मॉर्बिड ओबेसिटी या रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी व्यक्ति के शरीर में अत्यधिक मात्रा में वसा संचित होती है, जो उसके स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव डालती है। ऐसा मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसे आमतौर पर 40 या उससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) द्वारा परिभाषित किया जाता है।

मोटापा और बीएमआई

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स संक्षेप में बीएमआई है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई के मीटर वर्ग से विभाजित किया जाता है।

मॉर्बिड ओबेसिटी के लक्षण

- थोड़ा शारीरिक श्रम करने पर सांस फूलने लगती है। बैठने और चलने-फिरने में दिक्कत महसूस करना।
- जोड़ों और कमर में दर्द की समस्या के मामले ऐसे लोगों में ज्यादा होते हैं।
- जरा सा भी शारीरिक श्रम करने पर थकान महसूस करना।
- सोते समय खर्राटे लेना और रात में अचानक घबराहट होने पर उठ जाना (स्लीप एपीनिया)।

ओबेसिटी के कारण

व्यायाम न करना: जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।

जंक फूड्स: लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।

मानसिक तनाव: कालांतर में यह नकारात्मक मानसिक अवस्था भी मोटापे का कारण बन सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से मोटापा बढ़ सकता है।

वंशानुगत कारण: इनसे भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ना संभव है।

थायरॉइड ग्रंथि के विकार: इस ग्रंथि के असंतुलन या विकार से भी मोटापा बढ़ने की संभावना रहती है।

मोटापे से होने वाली समस्याएं

जो लोग अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त है, उनमें इन स्वास्थ्य समस्याओं के होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। जैसे- उच्च रक्त चाप, हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एपीनिया, मोटापे से ग्रस्त लोगों में आंतों और स्तन कैंसर होने के मामले कहीं ज्यादा हो सकते हैं। गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक समस्याएं: जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता।

इनफर्टिलिटी: मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

ऐसे करें वेट कंट्रोल

पहली बात तो यह समझ लें कि मोटापे को किसी भी दवा या किसी मेडिकल चमत्कार से चंद घंटों या दिनों में दूर नहीं किया जा सकता। मोटापे को नियंत्रित करने के संदर्भ में किसी भी व्यक्ति की उम्र, शारीरिक स्थिति और उसकी मेडिकल कंडीशन के बारे में जानना आवश्यक है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श: जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आप से कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डायटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

तब करवाएं बैरियाट्रिक सर्जरी

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

ऐसे निर्धारित करते हैं मोटापा

यदि किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 या उससे नीचे है, तो इसका आशय है कि उसका वजन सामान्य से कम है, वह

अंडरवेट है। ऐसा व्यक्ति कुपोषण का शिकार हो सकता है। किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 से 24.9 के मध्य है तो उसका वजन सामान्य है, जिसे नॉर्मल वेट कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति का बीएमआई 25 से 28 के मध्य है, तो उसका वजन अधिक है, उसे ओवरवेट कहा जाता है। बीएमआई 28 से 30 के मध्य है तो उसे ग्रेड-1 मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। अगर बीएमआई 31 से 40 के मध्य है तो उसे ग्रेड-2 मोटापा माना जाता है। अगर बीएमआई 40 से अधिक है तो उसे अत्यधिक गंभीर मोटापा (रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा) माना जाता है।

आमतौर पर पुरुषों में 94 सेमी. या फिर इससे अधिक और महिलाओं में 80 सेमी. या इससे अधिक कमर की माप को स्वास्थ्य के प्रतिकूल माना जाता है।

वेट कंट्रोल का डाइट प्लान

मोटापे को नियंत्रित करने में खान-पान का व्यायाम की तुलना में कहीं ज्यादा महत्व है। मोटापे को कम करने में 90% स्वास्थ्यकर खान-पान और 10% वर्कआउट व्यायाम की स्थिति आदर्श मानी जाती है। वजन को नियंत्रित करने के लिए कई डाइट प्लान हैं, जिन पर अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर ही अमल करना चाहिए। जैसे पैलियो डाइट प्लान। इसके अंतर्गत आहार में टमाटर, प्याज, लहसुन और गाजर को शामिल किया जाता है। इसके अलावा फलों, नट्स, मछली, फलियां, अनाज और डेयरी उत्पादों को भी शामिल किया जाता है।

डाइटिंग के नाम पर अपनी भूख मारना या कम से कम खाना अपने शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। अनेक ऐसे लोग हैं जिनके दिमाग में यह गलत धारणा बैठ चुकी है कि मोटापे को कम करने के लिए डाइटिंग एक सशक्त माध्यम है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। याद रखें, डाइटिंग से मोटापा कम नहीं होता।

मोटापा और दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। मॉर्बिड ओबेसिटी को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है।

वजन घटाने की दवाएं विशेष रूप से उन लोगों के लिए होती हैं, जो आहार और व्यायाम के साथ भी वजन कम करने में सफल नहीं हो पाते। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी दवाओं के साइड और आफ्टर इफेक्ट भी होते हैं। इन दवाओं का उद्देश्य शरीर में वसा को जलाना या बर्न करना, भूख को कम करना और शरीर के ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

इन बातों पर दें ध्यान

वजन नियंत्रण के लिए आपको अपनी जीवनशैली में लगातार सकारात्मक परिवर्तन करने होंगे। जैसे अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना, खान-पान में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को वरीयता देना आदि। इसके अलावा इन सुझावों पर भी अमल करना लाभप्रद रहेगा।

- डॉक्टर या डायटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।

- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव से शरीर में हार्मोन संबंधी असंतुलन उत्पन्न होता है, जिसके कारण कालांतर में मोटापा बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- खाद्य पदार्थों में ऊपर से नमक न छिड़कें। नमक का कम से कम सेवन करना लाभप्रद है।
- खाना खाते समय टीवी न देखें।

घरेलू औषधि

बहुत लाभकारी है जैतून नमक

आमतौर पर लोग साधारण नमक, काला नमक और सेंधा नमक के बारे में तो जानते हैं। लेकिन एक अन्य लाभकारी नमक जैतून नमक के बारे में कम ही लोग जानते हैं। यह एक विशेष नमक है, जो कई रोगों के उपचार में कारगर है।

क्या होता है जैतून नमक: इस नमक को बनाने के लिए साधारण नमक को जैतून के साथ मिलाकर एक निश्चित विधि से तैयार किया जाता है। इसके लिए पूरे पके हुए जैतून को मोटे नमक (डली वाला साधारण नमक) के साथ मिलाकर ढंक कर लगभग दो महीने के लिए रख दिया जाता है। निर्धारित समय के बाद उस नमक में विशेष गुणों का समावेश प्राकृतिक रूप से होता है। जिससे एक औषधि बन जाती है, जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में लाभकारी होता है। इसमें मिलने वाले प्रमुख तत्व हैं- विटामिन ई, लोहा, तांबा और कैल्शियम आदि। जैतून नमक की तासीर ठंडी होने के कारण सर्दियों में इसका सेवन कम करना चाहिए।

इन रोगों में कारगर: जैतून नमक को कई रोगों के उपचार में

उपयोग किया जा सकता है।

- इसका प्रयोग शरीर के बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- पेट संबंधी अजीर्ण, गैस, अपच, भूख न लगना या कम लगना आदि समस्याओं में यह हितकर है।
- डायबिटीज (रक्तशर्करा) और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के उपचार में जैतून नमक का सेवन उपयोगी है।
- यह शारीरिक क्षमता में बढ़ोत्तरी करता है।
- हृदय को स्वस्थ रखने के लिए यह लाभकारी है।
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।
- बढ़ते वजन से परेशान लोगों का वजन कम करने में मददगार है।
- यकृत (लिवर) को स्वस्थ बनाने में सहायक है।
- किडनी की समस्या में इसका सेवन लाभकारी है।
- बढ़ती आयु में हड्डियों को स्वस्थ रखने में इसका सेवन मददगार है।

कुछ लोगों को जैतून से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसकी कितनी मात्रा कैसे लेनी है, इसका निर्धारण स्वयं न करें, विशेषज्ञ से सलाह के आधार पर करें।

यहां बताए गए उक्त सभी उपाय-उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडे 'हरीश'

मेडिकल रिसर्च

माहिया

कुछ समय पहले खबरें आईं कि रूस के वैज्ञानिकों ने कैंसर ट्रीटमेंट के लिए वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। क्या है यह वैक्सीन, कैसे करेगी यह वर्क और इससे कितना प्रभावी होगा ट्रीटमेंट, आप जरूर जानना चाहेंगे।

बना ली गई कैंसर वैक्सीन कितना प्रभावी होगा इलाज

हाल में रूस ने घोषणा की है कि उनके वैज्ञानिकों ने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है, जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग का कहना है कि इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन, वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो इम्यून या प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करते हैं) के विरुद्ध इम्यून सिस्टम को एंटीबॉडीज उत्पादन के लिए प्रेरित करता है। जब ये एंटीजन, कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

ऐसे करेगी एक्शन: एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, इम्युनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अकसर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वो एंटीबॉडीज द्वारा पहचान में आने से बच जाएं। फलस्वरूप इम्यून सिस्टम (शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता) उन्हें नष्ट नहीं कर पाता। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है। अब प्लानिंग यह है वैक्सीन के जरिए शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाए कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे और उनको फैलने से रोके। इस उपचार का लाभ यह है कि कीमोथेरपी के विपरीत इसमें अन्य कोशिकाओं के बजाय केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन ट्रीटमेंट के साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं। वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्युनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं। जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि।

अन्य वैक्सीन से है अलग: अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाए, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

कैंसर का करेगा ट्रीटमेंट: कई डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग करना भ्रामक है, क्योंकि संक्रमित रोगों की तरह कैंसर आमतौर से किसी एक कीटाणु से नहीं फैलता है। जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपील्लोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। लेकिन डॉक्टर्स इस बात पर बल देते हैं, 'रोगियों को यह समझना चाहिए कि इम्युनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।' *

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब नींद के लिए लेनी पड़े दवा

मेरी उम्र 66 वर्ष है। मुझे अकसर रात को नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। समझ नहीं आता, क्या करूं? कृपया उचित मार्गदर्शन करें।

-वीरपाल, महेंद्रगढ़

नींद की दवा खाकर सोना, यह अच्छी बात नहीं है। सबसे पहले आप कोशिश करें कि नींद की दवा लेना बंद करें और इसके बगैर कैसे नींद आए, इसका रास्ता खोजें। इसके लिए सबसे जरूरी है कि नींद न आने की वजह ढूंढ़ने की, यानी किस वजह से नींद नहीं आती है? यह समस्या आपको कब से है यानी इस बीच में ऐसा क्या हुआ है, जो बात बार-बार आपके मन में आती है, जिससे नींद नहीं आ रही हो। अगर आप स्वयं से ऐसा न कर पाएं तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, लेकिन नींद की दवा आपको लेना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? मुझे क्या करना चाहिए?

-अभिनव, दुर्ग

पैरों में सूजन दो कारणों से होती है, पहले मसल्स का वीक होना और दूसरा डायबिटीज। आप पहले जनरल फिजिशियन से संपर्क करें, वो आपकी शुगर और कुछ अन्य जांच कराएंगे, जिससे पता चलेगा कि आपको किस वजह से सूजन आ रही है? इसके बाद उसका उपचार होगा। फिलहाल, बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई भी दवा आप ना खाएं। ज्यादा दिक्कत होने पर आप सिंकाई कर सकते हैं।

मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरे फेस पर बहुत अधिक झाइयां हो रही हैं। कई तरह की क्रीम और दवाइयां लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रही। मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-सुकेश, रायपुर

अभी आप की उम्र अधिक नहीं है इसलिए आपको दवा खाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। दवा के अधिक सेवन से आपको अभी भले ही आराम मिल जाए, लेकिन आगे और परेशानी बढ़ सकती है। सबसे पहले आप अपनी तरफ से इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयां बंद करें और एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। वो इसका कारण बताएंगे और उसका ट्रीटमेंट भी। लेकिन आप अभी पानी अधिक से अधिक पिएं। शरीर में पानी की कमी न होने दें। कई बार यह भी त्वचा रोग का कारण बन जाता है।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। तीन हफ्ते पहले बाथरूम में पैर स्लिप करने की वजह से मेरी कमर में चोट आई थी। अभी भी कमर में चोट वाली जगह पर रह-रहकर दर्द होता रहता है। ऐसे में क्या करूं, जिससे मुझे कमर दर्द से राहत मिले?

-अर्णव, बिलासपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको स्पाइन में चोट लगी है, जिसमें किसी तरह की फ्रेक्चर नहीं हुआ होगा। इस तरह की चोट में थोड़ा लंबे समय तक दर्द रहता है। कोशिश करें कि आप झुकने वाले काम बिल्कुल न करें, वजन न उठाएं। सोने के लिए हार्ड बेड का इस्तेमाल करें। अगर अधिक दर्द हो रहा है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि दर्द हो रहा है इसलिए किसी तरह की एक्सरसाइज भी न करें।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। अकसर खड़े होने पर मेरे पैरों में थरथराहट शुरू हो जाती है, जिसकी वजह से चलते वक्त लड़खड़ाने लगता हूं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कौशल किशोर, भोपाल

इस बात पर ध्यान दें कि आपका वजन अधिक तो नहीं है? कई बार वजन अधिक होने पर इस तरह की समस्याएं बढ़ती उम्र में देखी जाती हैं। लेकिन एक बार आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ संपर्क से कर लें, क्योंकि इस तरह की समस्याएं न्यूरो से जुड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। लेकिन आप जैसा बता रहे हैं, तो ज्यादा चलने की कोशिश न करें। गिर सकते हैं और चोट लग सकती है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

भारत ने दी चीन को सीधी चुनौती, बड़ी परियोजना का किया ऐलान

अरुणाचल सीमा पर बनेगा 1400 किमी लंबा हाईवे, अब किसी भी मौसम में पहुंचेगी सेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस हाईवे पर 42,000 करोड़ की लागत आने वाली है। यह अकेला ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने एक बार में ही इतने बड़े फंड को मंजूरी दी है। अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे रणनीतिक रूप से बेहद अहम होगा

42,000 करोड़ रुपए की लागत से होगा तैयार

चीन और भारत सीमा पर 12 जिलों से गुजरेगा हाईवे

चीन सीमा के पास केंद्र सरकार ने बड़े हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। इससे सीमांत इलाकों तक संपर्क में इजाफा होगा, इसके अलावा सुदूर अरुणाचल प्रदेश से अन्य राज्यों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। अरुणाचल प्रदेश पर तवांग नाम से चीन दावा करता रहा है। ऐसे में उसके लिए इतने बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान कर भारत ने उसे सीधा संदेश दिया है। मोदी सरकार के मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में लगे एक मेले के दौरान इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह हाईवे चीन और भारत सीमा पर 12 जिलों से होकर गुजरेगा। यह एक सपने के पूरे होने जैसा होगा और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए यह गेमचेंजर बनेगा। रिजिजू ने कहा कि इस हाईवे पर 42,000 करोड़ रुपए की लागत आने वाली है। यह अकेला ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने एक बार में ही इतने बड़े फंड को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे रणनीतिक रूप से बेहद अहम होगा।

चीन की सीमा से 20 किमी दूर

रिजिजू ने बताया कि इस हाईवे की कुल लंबाई 1400 किलोमीटर होगी और कई जगहों पर तो यह चीन की सीमा से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर होगा। अरुणाचल प्रदेश के जिस मेले में रिजिजू ने इस हाईवे का ऐलान किया, उसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। बोसीमला मेले को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि यह इलाका नेशनल हाईवे से दूर है। इसके बाद भी यहां उपराष्ट्रपति पहुंचे तो यह अहम बात है और इसे इतिहास में दर्ज किया जाएगा।

पीएम मोदी ने दी मंजूरी

रिजिजू ने कहा कि इससे पहले भी पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे, कोलकाता-चेन्नई हाईवे और जयपुर दिल्ली कॉरिडोर आदि पर बड़ी लागत लगी है, लेकिन रणनीतिक रूप से अहम प्रोजेक्ट्स की बात करें तो यह सबसे अहम होगा। यह हाईवे अरुणाचल प्रदेश के रणनीतिक रूप से संवेदनशील ईस्ट कामेंग, बिशोम, अपर सुबानसिरी, शी-योमी, अनजॉ और चांगलांग जैसे जिलों से होकर निकलेगा। रिजिजू ने कहा कि इतना अहम प्रोजेक्ट पीएम नरेंद्र मोदी के चलते ही मंजूर हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने मर्डर के मामले में सुनाया ऐतिहासिक फैसला

'बच्ची भले ही 7 साल की हो लेकिन उसकी गवाही मान्य'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मर्डर के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जिसमें एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। हालांकि, इस पूरी वारदात को उसकी सात की बेटी ने अपनी आंखों से देखा था। इसी केस को लेकर शीर्ष अदालत ने कहा कि गवाह की कोई उम्र सीमा नहीं होती है। अगर कोई बच्चा गवाही देने में सक्षम है तो उसकी गवाही उतनी मान्य होगी, जितनी किसी और गवाह की। शीर्ष अदालत ने 7 साल की बच्ची के गवाह के आधार पर हत्यारे पति को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

बच्ची ने अपने पिता को मां की हत्या करते देखा था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया था। साथ ही लड़की का बयान खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों पर भरोसा करना केवल सावधानी और विवेक उपाय है।

यह है मामला

घटनाक्रम 15 जुलाई 2003 का है। जब पति ने अपनी पत्नी की हत्या की थी। मध्य प्रदेश के सिंघराई गांव में पति बलवीर सिंह ने पत्नी बीरेंद्र कुमारी की हत्या की थी। बलवीर सिंह पर आरोप था कि उसने अपनी पत्नी को गला घोंटकर कर मार दिया और अपनी बहन की मदद से आधी रात में उसका अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार की जानकारी मृतक महिला के रिश्तेदार भूरा सिंह को लग गई, जिसके बाद घटना की शिकायत पुलिस में की। इस घटना की सबसे बड़ी गवाह मृतक की बेटी रानी थी। उसने कोर्ट को बताया कि उसके पिता ने मां को गला घोंटकर मारा था।

मई में रूस का दौरा कर सकते हैं पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी मई में एक बार फिर रूस का दौरा कर सकते हैं। रूसी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी मॉस्को के रेड स्कवायर पर आयोजित होने वाली 80वीं ग्रेट पैट्रियोटिक वॉर (महान देशभक्ति युद्ध) परेड में बतौर अतिथि शामिल होंगे। यह कार्यक्रम द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसे महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध भी कहा जाता है। पीएम मोदी का दौरा ऐसे समय होगा, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत हो रही है।

पहली एंटी शिप मिसाइल का हुआ सफल परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से पहली स्वदेशी एंटी शिप मिसाइल (एनएएसएम-एसआर) का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और नौसेना को इसके लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैन-इन-लूप फीचर से जुड़ा यह सफल परीक्षण अपने आप में काफी अनोखा है। जो मिसाइल को उड़ान के दौरान लक्ष्य पर निशाना लगाने की क्षमता प्रदान करता है। परीक्षण में मिसाइल ने अपने सभी तय उद्देश्यों को सफलता के साथ पूरा किया।

श्री श्री ने 1000 वर्षों बाद प्रकट किए मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेष

ऐतिहासिक महाशिवरात्रि : 180 देशों में लाखों लोगों ने साक्षात और ऑनलाइन देखा यह दिव्य अनावरण

बेंगलुरु। विशालाक्षी मंटप की भव्य पृष्ठभूमि में, आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में महाशिवरात्रि का उत्सव एक दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। पहली बार, श्री श्री रवि शंकर ने 1000 वर्षों बाद मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेष प्रकट किए। इस ऐतिहासिक क्षण ने 180 देशों के लाखों साधकों को गहरी श्रद्धा में डुबो दिया। इस पावन अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री श्री रविशंकर ने कहा, 'आप जैसे हैं, भगवान शिव आपको वैसे ही अपनाते हैं। स्वयं को ऐसे अनुभव करें जैसे आप स्वयं शिव के भीतर स्थित हैं।'

ग्रैमी-नामांकित कलाकार राजा कुमारी ने किया मंत्रमुग्ध

अर्धरात्रि निकट आई, बेंगलुरु आश्रम दिव्य ऊर्जा का केंद्र बन गया। ग्रैमी-नामांकित कलाकार राजा कुमारी ने अपनी भक्ति रचनाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साधो – द बैंड, अभंग रेपोस्ट, और निर्वाण स्टेशन जैसे इंडी बैंड्स ने भी प्रस्तुति दी, जो भारतीय भक्ति संगीत की कालजयी विरासत को नए युग के अनुरूप पुनः परिभाषित कर रहे हैं।

यहां जल्द भाई भतीजावाद की दुकान बंद हो जाएगी : शाह

एजेंसी ▶▶ कोयंबटूर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर जोरदार हमला बोला। गृह मंत्री ने सरकार और उसके नेताओं पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाया। कोयंबटूर, तिरुवन्नामलाई और रामनाथपुरम में भाजपा जिला कार्यालयों के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, भ्रष्टाचार के मामलों में डीएमके के सभी नेताओं के पास मास्टर डिग्री है। उनका एक नेता नौकरी के लिए पैसे के मामले में फंसा है, दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रेत खनन में शामिल है और तीसरा आय से अधिक संपत्ति से संबंधित आरोपों का सामना कर रहा है।

कैग रिपोर्ट : कांग्रेस ने की पीएसी गठन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार में हुए शराब घोटाले में भाजपा के भी शामिल होने ओर कैग की रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण सवाल नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए व्यापक जांच की मांग की है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने मांग की कि शराब घोटाले की जांच का दायरा व्यापक किया जाए। कांग्रेस द्वारा भाजपा के खिलाफ दी गई लिखित शिकायत की भी जांच हो। इसी के साथ शराब घोटाले को लेकर सार्वजनिक मंच पर चर्चा की जाए। कांग्रेस नेताओं ने कैग रिपोर्ट की जांच के लिए पीएसी (लोक लेखा समिति) के जल्द गठन की मांग पर जोर दिया।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड , मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं- स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल: - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। संपर्क करे - श्याम हार्डवेयर स्टोर्स, डा. सूर के सामने, स्टेशन रोड रायपुर, मो.- 9300908801.(RO-92)

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें:- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास 98271-14645, 91311-39179.(RO-3334)

सुपरवाइजर/एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- राईस मील में कार्य करने हेतु सुपरवाईजर - 2 पद, एकाउन्टेन्ट - 1 पद, एवं 1 चौकीदार की आवश्यकता है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9425211223, 8770881478.(RO-3330)

हरिभूमि

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी ट्रांसपोर्ट लोडिंग व अनलोडिंग के लिए व्यक्ति एंव अनुभवी सेल्समैन, कम्प्युटर ऑपरेटर व हेल्पर की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658. (RO-7252)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- ट्रांसफार्मर मेंटनेंस एवं इलेक्ट्रिकल पैनल मेंटनेंस कार्य हेतु राईस मिल में इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता है। कुल 2 पोस्ट। सम्पर्क करें- 9826136200.(RO-156)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-3333)

आवश्यकता है- पूनम स्वीट्स, प्रतिष्ठित मिठाई दुकान में सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल्स की अतिशीघ्र आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। रहने की सुविधा उपलब्ध। आकर्षक वेतन। कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं। सम्पर्क: पूनम स्वीट्स, जयस्तंभ चौक, रायपु Mob:- 9893397633 (RO-1636)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैंटीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। पता- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.(RO-36927)

छोटा विज्ञापन

लेबर कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की एवं ड्राइवर की जरूरत है। संपर्क करें- एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 07714075490. (RO-6233)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- पोल्ट्री फार्म में रहकर काम करने हेतु । रहने की सुविधा उपलब्ध। सुपरवाइजर (बेसिक कंप्यूटर नॉलेज) वेतन 12000/- से 15000/- संपर्क- जयश्री पोल्ट्री फार्म, NH-53, होटल कोर्टयार्ड के पास, लाभांडीह, रायपुर 9826147575.(RO-91)

घरेलु कार्य

तत्काल आवश्यकता है- घरेलू नौकर बंगले में कार्य हेतु अनुभवी घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष वेतनः योग्यतानुसार केवल अनुभवी पुरुष उम्मीदवार ही संपर्क करें:- 9109972720.(RO-3332)

ऑफिस/ड्रायवर कार्य

आवश्यकता है- 1. रायपुर ऑफिस में किताबों के बण्डल बाँधने हेतु 12वीं पास मेहनती लड़कों की। 2. रायपुर ऑफिस में मैन्युअल व ऑटोमेटिक गाड़ी चलाने के लिए अनुभवी ड्रायवर की। सम्पर्क करें:- 11.00 से 1.00 बजे नवबोध प्रकाशन, 7, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) फोन- 0771-4200932.(RO-111)

आवश्यकता

आवश्यकता है- विशाल नेक्स्ट जेन कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. कंपनी में कार्य हेतु आवश्यकता है महिला, योग्यता - 1एमबीए ,1 ग्रेजुएट एवं 1 पुरुष ड्रायवर 12वी तक वेतन योग्यतानुसार की, पता रुंगटा कॉलेज के पास एचपी पेट्रोलपंप के सामने विशाल डेवलपर्स कुरुद भिलाई (छ.ग.) मो. 8109049291, 9301863254 (आरो -685)

वेल्डर/ठेकेदार

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर और केजव्हील, कल्टीवेटर निर्माण कार्य हेतु ठेकेदार एवं ग्रुप का भाटागांव स्थित फैक्ट्री हेतु। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें- 9425206781.(RO-100)

कुली/मजदूर

आवश्यकता है- रायपुर, दोनदेकला स्थित दाल मिल में काम करने के लिए कूली, रेजा, मजदूर की आवश्यकता है, संपर्क करें, 9425205358, 9425525222.(RO-35)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य महिला/ पुरुष पोस्ट - वेटर ,सफाई कर्मचारी कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, रेस्टोरेंट मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट कार्य जानकार को प्राथमिकता। संपर्क - होटल अपना केसरी होटल शिव- प्रभा, पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251,89669-81590(आरो नं.-690)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- दुर्ग भिलाई की आयुर्वेदिक कंपनी में COMPUTER ऑपरेटरों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000 + योग्यतानुसार। संपर्क - 9109393552, 8269465640.(आरो नं.-691)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर (मध्यप्रदेश) आकर ऑफिस कार्य करने हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़को की आवश्यकता है सैलरी 10000 + कमीशन + बोनस + रहना + ट्रैवल फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 15 से 20 हजार महीना कोई joining Fees नही ली जायेगी 9691458250, 7024646229, 9575712101. (RO-306)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ड्रायवर/डिलीवरी बॉय

आवश्यकता है- तेलीबांधा रायपुर के पास ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है 11 घंटे ड्यूटी एवं बाइक से होम डिलीवरी हेतु डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है (स्वयं का साधन अनिवार्य) वेतन योग्यतानुसार संपर्क 8602055368.(RO-7207)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 8981475043, 7439736348.(RO-704)

आवश्यकता है- वनविभाग कम्पनी द्वारा तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या-975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन (27500-52400) तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309.(RO-701)

Business
व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर - 9111760925, 7477221345, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-3194)

Services
सर्विसेस

रोजगार प्रशिक्षण
क्या आप रोजगार चाहते है ?
आईये! हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े और एक अच्छा रोजगार पायें।
कार्यक्रम सिर्फ 18 से 30 आयुवर्ग के लिए है
register online @ https://www.grow.org.in
9063485395, 9063486569

सर्विस - आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्पलेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Property
प्रापर्टी

प्लॉट बेचना है - रजिस्ट्रीफ्री प्लाट रु 251 की दर से उतई कृष्णा पब्लिक स्कूल रोड खोपली में बेचना है भारतमला नेशनलहाइवे से लगभग 1किलोमीटर पर है यहाँ 30-25फिट मुरुमरोड, पानी पाइपलाइन एवं बिजली की सुविधा है, किस्त की सुविधा है, संपर्क - 9407964899, 7000027363.(आरो 688)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

'सिकंदर' की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर बदलाव

मुंबई। सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन 'सिकंदर' के लिए फिर शूटिंग की। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाली है। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

लाइफ Style

श्रेया घोषाल

चिकनी चमेली गाने पर हुई शर्मिंदगी

श्रेया घोषाल इंडस्ट्री की मशहूर गायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने कई सुपरहिट ट्रैक गाए हैं। इनमें से एक गाना चिकनी चमेली भी है, जो ऋतिक रोशन की 2012 में रिलीज हुई अग्निपथ का गाना है। इस गाने में कैटरीना कैफ ने डांस किया है।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

श्रेया ने हाल ही में स्वीकार किया कि जब वह छोटी लड़कियों को बिना इसका अर्थ समझे गाते हुए देखती हैं, तो उन्हें इस गाने से शर्मिंदगी महसूस होती है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान श्रेया घोषाल ने कहा, मेरे पास कुछ गाने हैं, जो सीमा रेखा पर अश्लील नजर आते हैं, जैसे चिकनी चमेली।' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में, वह छोटी लड़कियों को बिना गीत के बोल समझे ऐसे गाने गाते हुए देखकर सचेत हो गई हैं। इस इंटरव्यू के दौरान श्रेया ने कहा, यह एक मजेदार गाना है, बच्चे इस पर नाचते हैं और जब वह क, क्या मैं इसे आपके सामने गा सकता हूं? फिर मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस होती है कि एक छोटी लड़की, जो शायद 5-6 साल की होगी, उन गीतों को गा रही है। यह ठीक नहीं लगता, यह अच्छा नहीं लगता, मैं ऐसा नहीं चाहती।

श्रेया अब अपने द्वारा गाए जाने वाले गानों को लेकर बहुत सजग हो गई हैं। उन्होंने बताया कि भले ही वह गाना गाने के लिए राजी हो जाएं, लेकिन वह चाहती हैं कि गाना अच्छा लिखा हुआ हो। उन्होंने आगे कहा अगर ऐसा गाना किसी महिला ने लिखा होता, तो यह थोड़ा सुंदर होता। श्रेया ने आगे कहा, शायद अगर कोई महिला इसे लिख रही होती, तो वह इसे बहुत ही शालीन तरीके से लिखती।

हॉलीवुड मसाला

ड्वेन जॉनसन ने लिखा भावुक नोट

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार ड्वेन जॉनसन के पेट डॉग 'हॉब्स'की मौत हो गई है। अभिनेता ने अपने प्यारे पेट डॉग के साथ कई तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावुक और लंबा नोट लिखा है। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि उनका पेट डॉग रात में शांति के साथ ही ये दुनिया छोड़कर चला गया। अभिनेता ने अपनी पोस्ट में लिखा, आरआईपी हॉब्स। मैं इस हानि से स्तब्ध हूं, लेकिन हम उसके द्वारा अपने परिवार को दिए गए प्यार के लिए आभारी हैं। हमें राहत है कि उसे लंबे समय तक तकलीफ नहीं हुई, क्योंकि वह चुपचाप और बहादुरी के साथ चला गया।

दो एवेंजर्स फिल्मों की लगातार चल रही शूटिंग

लॉस एंजिल्स। फिल्म निर्देशक एंथनी और जो रुसो ने अपनी आगामी फिल्मों 'एवेंजर्सः डूम्सडे' और 'एवेंजर्सः सीक्रेट वॉर्स' की शूटिंग के बारे में कुछ अहम जानकारी साझा की है। जो रुसो ने एक इंटरव्यू में जानकारी दी कि इन दोनों फिल्मों की शूटिंग लंदन में लगातार चल रही है। उन्होंने कहा कि यह एक लंबा और चुनौतीपूर्ण काम है, जिसे पूरा करने में काफी मेहनत लग रही है। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' फिल्म 1 मई, 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं, 'एवेंजर्सः सीक्रेट वॉर्स' को 7 मई 2027 को बड़े पर्दे पर देखा जा सकेगा। इन फिल्मों को लेकर दर्शकों का उत्साह पहले से ही चरम पर है। अब रुसो ब्रदर्स की ओर दिए गए इस अपडेट ने फैंस की उम्मीदें और भी बढ़ा दी हैं। रुसो ब्रदर्स ने पहले भी मार्वल की चार बड़ी फिल्मों का निर्देशन किया है, जिनमें 'कैप्टन अमेरिका द विंटर सोल्जर', 'कैप्टन अमेरिका- सिविल वॉर', 'एवेंजर्स इंफिनिटी वॉर' और 'एवेंजर्स एंडगेम' जैसी फिल्में शामिल हैं।

'बी हैप्पी' 14 मार्च को ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई। अभिषेक बच्चन और इनायत वर्मा अभिनीत फिल्म 'बी हैप्पी' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर किया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया है। यह फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। 'बी हैप्पी' प्राइम वीडियो पर 14 मार्च को रिलीज होगी। 'बी हैप्पी' एक समर्पित एकल पिता, शिव (अभिषेक बच्चन) और उनकी उत्साही, तेज-तर्रार बेटी धरा (इनायत वर्मा) के बीच अटूट बंधन की कहानी है। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा समझदार धरा देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो के मंच पर प्रदर्शन करने का सपना देखती है। चीजें तब बिगड़ जाती हैं, जब एक खलनायक उस सपने को चकनाचूर करने की धमकी देता है तो शिव बेटी के सपने को बचाने के मिशन पर निकलता है। अपनी बेटी की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए वह अपने भाग्य को चुनौती देता है।

धर्मा प्रोडक्शंस ने मार्को निर्देशक के साथ मिलाया हाथ

मुंबई। मलयालम सिनेमा के एक्शन स्टार हनीफ अदेनी बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और वह इसे अपने स्टाइल में कर रहे हैं। मार्को की भूमिका में धमाल मचाने के बाद फिल्म निर्माता को किसी और ने नहीं, बल्कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने एक धमाकेदार एक्शन फिल्म के लिए साइन किया है, जो जितनी दमदार है, उतनी ही मजेदार भी है। द ग्रेट फादर (2017) और मिखेल (2019) जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले हनीफ अदेनी ने एक बार फिर मार्को के साथ अपनी प्रतिभा साबित की, जो एक क्रूर और अथक एक्शन से भरपूर फिल्म है। अब, वह अपनी सिग्नेचर हाई-इम्पैक्ट स्टोरीटेलिंग को हिंदी सिनेमा में लाने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर आगामी प्रोजेक्ट को बहुभाषी रिलीज के लिए प्लान किया जा रहा है। फिल्म के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

टीवी मसाला

माफिया, म्यूजिक और तबाही पर बेस्ड है क्राइम ड्रामा

नई दिल्ली। चंदन अरोड़ा द्वारा निर्देशित नई टीवी सीरीज कन्नेडा का हाल ही में ट्रेलर रिलीज हो गया है। 1 मिनट 45 सेकंड के वीडियो में एक भारतीय प्रवासी निम्मा को दिखाया गया है, जिसका किरदार परमिश वर्मा ने निभाया है, जिसे वैंकूवर में एक अपराध गिरोह में शामिल होकर जीवित रहना पड़ता है। 21 मार्च को प्रीमियर होने वाली जियो हाटस्टार सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, रणवीर शौरी, अरुणोदय सिंह, आधार मलिक और जैस्मीन बाजवा भी हैं। हिंदी सीरीज के पहले ट्रेलर को देखकर निम्मा के सफर के बारे में जानने को मिला। सीरीज पंजाब के एक युवक की कहानी है जो अपराध की दुनिया में शामिल हो जाता है। यह सीरीज नाटकीय मोड़, चौंकाने वाले एक्शन और आश्चर्य से भरी हुई है। मालूम हो कि कन्नेडा ट्रेलर में परमिश वर्मा और अरुणोदय सिंह मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर, ट्रेलर को कैप्शन के साथ जारी किया गया है जिसमें लिखा है, 'माफिया, संगीत, तबाही, कन्नेडा में आपका स्वागत है। 21 मार्च से शुरू हो रहे हैं सभी एपिसोड.' जार पिक्चर्स द्वारा निर्मित थ्रिलर सीरीज, एक विदेशी देश में अपराध की एक घातक दुनिया की कहानी पेश करती है, जहां आम लोगों को सबसे अच्छे इरादों के बावजूद गुमराह किया जाता है।

अनुपमा में होगी नए एक्टर की एंट्री, राही से निकलेगा कनेक्शन

नई दिल्ली। 'अनुपमा'में नए एक्टर की एंट्री होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये एक्टर राही के बायोलॉजिकल फादर का किरदार निभाएगा। राही के पिता के आने की वजह से कहानी में मजेदार ट्विस्ट आएगा। इंडिया

फोरम की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुपमा किसी काम से मंदिर जाएगी। वह पुजारी जी से बात करेगी और राही की खुशी की कामना करेगी। वह पूजा करने के बाद अपने हाथों में प्रसाद बाटेगी और तभी वहां राही के असली पिता रुद्र आएंगे। रुद्र गलती से अनुपमा से टकरा जाएगा और प्रसाद गिर जाएगा। अनुपमा, रुद्र पर भड़क जाएगी। वह उसे डांट लगाने जाएगी, लेकिन उसका चेहरा देख रुक जाएगी। रुद्र का चेहरा देख अनुपमा को लगेगा कि वह उसका कोई अपना है। उसे अपनेपन का एहसास होगा। उसे ऐसा लगेगा जैसे उसने उसे पहले कहीं देखा है, लेकिन वह उसे पहचानने नहीं पाएगी। आने वाले दिनों में अनुपमा को पता चलेगा कि उस आदमी का नाम रुद्र आद्या है और वह राही का असली पिता है।

मनमोहन देसाई ने अमिताभ बच्चन के साथ दीं सात सुपरहिट फिल्में

नई दिल्ली। मनमोहन देसाई के सबसे पसंदीदा अभितनेता अमिताभ बच्चन ही थे, जिनके साथ उन्होंने सात सुपरहिट फिल्में बनाईं। इनमें कुली, अमर अकबर एंथनी, परवरिश, सुहाग, नसीब, मर्द, गंगा जमुना सरस्वती जैसी फिल्में शामिल थीं। यह सभी फिल्में अमिताभ के कॅरियर के लिए मील का पत्थर साबित हुईं।

नंदा से हुआ था प्यार

मनमोहन देसाई की पत्नी प्रभा की मृत्यु के बाद उनकी जिंदगी में अभिनेत्री नंदा आईं, जिन्हें उनसे प्यार हो गया। हालांकि दोनों का रिश्ता कुछ खास आगे नहीं चला था।

मुंबई में हुआ था जन्म

मनमोहन देसाई का जन्म 26 फरवरी 1937 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता कीकूभाई फिल्म प्रोड्यूसर थे। उन्होंने 1931 में पैरामाउंट फिल्म स्टूडियो की स्थापना की थी, जिसमें उन्होंने ज्यादातर एक्शन फिल्में ही प्रोड्यूस कीं। मनमोहन ने लंबे समय तक बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया।

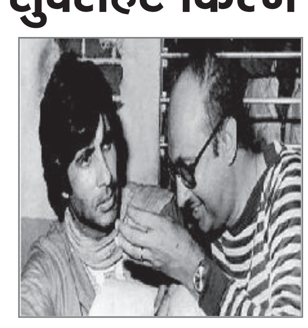

कई बॉलीवुड अभिनेताओं के साथ किया काम

उन्होंने शम्मी कपूर के साथ ब्लफमास्टर, राजेश खन्ना के साथ सच्चा झूठा और रोटी, रणधीर कपूर के साथ रामपुर का लक्ष्मण और जीतेंद्र के साथ भाई हो तो ऐसा जैसी सुपरहिट फिल्में बनाईं, लेकिन मनमोहन को कॅरियर की बुलंदियों पर पहुंचाने वाली फिल्म अमर अकबर एंथनी थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, ऋषि कपूर और विनोद खन्ना ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

हमेशा से निर्देशक बनने का था सपना

मनमोहन देसाई हमेशा से निर्देशक बनना चाहते थे और वह अपनी पहली फिल्म में राज कपूर और नूतन को कास्ट करना चाहते थे। केवल 20 साल की उम्र में मनमोहन ने अपनी पहली फिल्म 'छलिया' निर्देशित की। इस फिल्म में राज कपूर और नूतन ने काम किया। लेकिन, राज कपूर ने इस फिल्म को करने से पहले मनमोहन देसाई से साफ कहा था कि अगर फिल्म के गानों को सही ढंग से नहीं फिल्माया गया तो वह बीच में ही फिल्म छोड़ देंगे। ऐसे में जब फिल्म का पहला गाना 'डम डम डिगा डिगा' फिल्माया गया। राज कपूर देसाई का काम देखकर खुश हो गए और फिल्म की शूटिंग पूरी हुई।

महादेव की भक्ति में लीन विक्की कौशल-सुनील शेट्टी, कंगना रनौत ने सद् गुरु संग साझा की तस्वीर

मुंबई। बुधवार 26 फरवरी को सनातन धर्म को मनाने वाले लोग महादेव की भक्ति, उपासना में मगन नजर आए। कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी महादेव के भक्त हैं, इन लोगों ने भी सोशल मीडिया पर महाशिवरात्रि से जुड़ी पोस्ट कीं। इसमें विक्की कौशल, कंगना रनौत और सुनील शेट्टी शामिल हैं। विक्की कौशल इन दिनों फिल्म 'छावा'को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उन्होंने छत्रपति संभाजी महाराज का रोल किया है। संभाजी महाराज महादेव के बहुत बड़े भक्त थे, फिल्म में भी विक्की कौशल पर कुछ सीन फिल्माए गए हैं, जिनमें वह शिव जी पूजा कर रहे हैं। साथ ही फिल्म में युद्ध से पहले के दृश्यों में वह महादेव के नाम का उद्घोष करते हैं। इन्हीं सींस को महाशिवरात्रि पर विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। कैप्शन में लिखा है- 'ॐ नमः पार्वती पतये हर हर महादेव।'

इन सितारों ने भी की पोस्टः कई बॉलीवुड कलाकार भी हैं, जिन्होंने महाशिवरात्रि पर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसमें अक्षय कुमार, वरुण धवन, भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी, निमृत कौर शामिल हैं। कुणाल खेमू ने भी महाशिवरात्रि पर एक पारंपरिक कश्मीरी पर्व मनाया है।

सुनील शेट्टी ध्यान में बैठे हुए दिखे

सुनील शेट्टी ने भी एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है, जिसमें ध्यान करते हुए दिखे। वह कैप्शन में भी लिखते हैं- 'शिव के प्रति समर्पित हो जाइए, सब कुछ आपको मिल जाएगा।'जल्द ही सुनील शेट्टी एक फिल्म 'केसरी वीर'में नजर आएंगे। इसमें वह सोमनाथ मंदिर की रक्षा करने वाले योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं।

कंगना ने तस्वीर साझा की

कंगना रनौत ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु के साथ एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर पर उन्होंने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दी हैं। हर साल महाशिवरात्रि पर कंगना रनौत, दक्षिण भारत में स्थिति सद्गुरु के आश्रम जाती हैं, वहां महादेव की भक्ति करती हैं, ध्यान करती हैं।

न कोई शोर शराबा और न ही कोई हीरो

6 लीड एक्ट्रेस के साथ मेकर ने बनाई फिल्म और कर डाली बजट से 18 गुना कमाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

साल 2023 में प्रभास और कृति सेनन की 'आदिपुरुष' और अक्षय कुमार की फिल्म 'ओएमजी 2' रिलीज हुई थी। 'आदिपुरुष' बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी। भारी भरकम बजट और मेगा स्टारकास्ट के साथ बनी ये फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर ढेर हो गई थी। लेकिन, इन फिल्मों के बीच बिना किसी शोर-शराबे के एक ऐसी रिजनल फिल्म आई थी जिसने बिना प्रमोशन के ही धमाकेदार कमाई कर डाली थी।

बॉलीवुड को छोड़कर अगर रीजनल फिल्मों की बात करें तो अक्सर साउथ फिल्मों का दबदबा देखने को मिलता है। लेकिन, आज जिस फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं वो एक मराठी फिल्म है। मामूली से बजट में बनी इस मराठी फिल्म ने कमाई के मामले में बड़ी-बड़ी बॉलीवुड फिल्मों को पछाड़ दिया था। बॉलीवुड की कई बड़ी बजट फिल्मों के बीच मराठी फिल्म 'बाईपण भारी देवा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर अपनी सफलता से न सिर्फ सबको हैरान किया था, बल्कि इतिहास भी रच दिया था।

92 करोड़ रुपए का किया था बिजनेस

माधुरी भोसले द्वारा प्रोड्यूस और केदार शिंदे द्वारा निर्देशित फिल्म 'बाईपण भारी देवा' महज 5 करोड़ के सामान्य बजट में बनी थी। इस फिल्म में 6 महिलाओं ने लीड रोल अदा किया था और एक भी बड़ा हीरो फिल्म का हिस्सा नहीं था। रिया शर्मा, दीपा परब, रोहिणी हट्टंगडी, वंदना गुप्ते, शिल्पा नवलकर, सुकन्या कुलकर्णी ने लीड रोल अदा किया था। 6 महिलाओं के लीड रोल में बनी फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए थे। 5 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 50 दिनों में दुनियाभर में 92 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।

6 बहनों की है कहानी

'बाईपण भारी देवा' 6 बहनों की कहानी है जो दर्शकों के दिलों में घर कर गई थी। रोजमर्रा की जिंदगी की जद्दोजहद में 6 बहनें एक-दूसरे से काफी दूर हो जाती हैं। दो बहनों के बीच बातचीत एकदम ही बंद रहती है, लेकिन एक डांस कॉम्पीटीशन उन्हें धीरे-धीरे पास ले आता है। डांस कॉम्पीटीशन की तैयारी में जुटी ये 6 बहनें अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को फिर से गले लगा लेती हैं। लेकिन, फिल्म में दिलचस्प मोड़ तब आता है जब वो ये प्रतियोगिता हार जाती हैं। हारते ही उनके बीच एक बार फिर दरार पड़ने लग जाती है।

दर्शकों के दिलों में कर गई घर

इस फिल्म में आम महिलाओं के एहसासों और उनकी अलग-अलग दिक्कतों को बड़े मजेदार और हल्के-फुल्के अंदाज में बयां किया गया है। घरेलू हों या फिर कामकाजी, अमीर हो या गरीब हर महिला ने फिल्म के कंटेंट के साथ रिलेट किया था। बिना किसी शोर-शराबे के आई इस फिल्म की सामान्य सी कहानी दर्शकों के दिलों में घर कर गई। ओटीटी पर भी इस कम बजट फिल्म को काफी पसंद किया गया। सिनेमाघरों में धाक जमाने के बाद 6 बहनों की कहानी इन दिनों जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम कर रही है।

खबर संक्षेप

स्पाइसजेट को तिमाही में 26 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट का अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही का शुद्ध लाभ 26 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में 300 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। विमान कंपनी के अनुसार, 'कुल राजस्व में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,651 करोड़ रुपये रहा।

इंडिगो तीन बोइंग 787 विमानों को पट्टे पर लेगी

मुंबई। यूरोप के लिए उड़ानें शुरू करने की तैयारियों में जुटी घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि वह नॉर्स अटलांटिक एयरवेज के साथ समझौते के तहत अपने बेड़े में तीन अन्य बोइंग 787-9 विमान शामिल करेगी। फिलहाल गुरुग्राम मुख्यालय वाली एयरलाइन दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए तुर्की एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए चौड़े आकार वाले दो बोइंग 777 विमानों का संचालन करती है।

माइक्रोमैक्स ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में रखा कदम

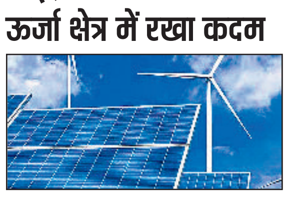

नई दिल्ली। घरेलू उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स ने 'स्टार्टअप एनर्जी' की शुरुआत के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश की बुधवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, इस नए उद्यम का मकसद भारत में सौर पैनल विनिर्माण में क्रांति लाना, टिकाऊ ऊर्जा को व्यापक रूप से अपनाना और देश के महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा मिशन को समर्थन देना है।

चाय प्वाइंट की 2026 तक सूचीबद्ध होने की योजना

नई दिल्ली। लोकप्रिय चाय कैफे श्रृंखला चाय प्वाइंट के सह-संस्थापक तरुण खन्ना ने कहा कि कंपनी की 2026 के मध्य तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की योजना है। चाय प्वाइंट ने हाल ही में प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान काफी लोकप्रियता हासिल की और कई मुख्य दिनों पर इसकी दुकानों से एक दिन में एक लाख कप चाय तक बेची गई।

ग्रामीण विकास विभाग के कुल बजट में मनरेगा, पीएम ग्रामीण आवास योजना की 75% हिस्सेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार की प्रमुख योजनाओं मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए आवंटन ग्रामीण विकास विभाग के कुल बजटीय आवंटन का 75 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में ग्रामीण विकास मंत्रालय को 1,90,406 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। शोध संस्थान पीआरएस लेजिस्लेटिव ने रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करने, आर्थिक विकास का समर्थन करने और गरीबों और कमजोरों के लिए आजीविका और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम लागू करने वाले ग्रामीण विकास विभाग को राशि आवंटित की गई। राशि 2024-25 के संशोधित अनुमान से आठ प्रतिशत अधिक है। जबकि भूमि संसाधन विभाग को 2,651 करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 35 प्रतिशत अधिक है। भारत में 2021 की स्थिति के अनुसार, 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।

मनरेगा को मिला 46 फीसदी

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत ग्रामीण परिवारों के वयस्कों के लिए एक वित्त वर्ष में 100 दिन का गारंटीशुदा रोजगार प्रदान किया जाता है। सरकार की इस प्रमुख योजना के लिए बजट ग्रामीण विकास विभाग के लिए कुल आवंटन का 46 प्रतिशत है। जबकि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना को विभाग के कुल आवंटन का लगभग 29 प्रतिशत हिस्सा मिला। दोनों योजनाओं के लिए आवंटन कुल बजटीय आवंटन का 75 प्रतिशत है।

आवंटन सालाना औसतन 12 प्रतिशत की दर से बढ़ा

पीआरएस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014-15 और 2025-26 के बीच, विभाग का बजटीय आवंटन सालाना औसतन 12 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। रिपोर्ट कहती है कि 2020-21 और 2022-23 के बीच, महामारी के दौरान अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए विभाग को आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई थी। यह बढ़ा हुआ आवंटन मनरेगा और कल्याणकारी योजनाओं के लिए था। इसमें प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण शामिल है।

54,832 करोड़ रुपए आवंटित

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की शुरुआत गांवों में आवास की मांग और आपूर्ति में अंतर को दूर करने के लिए की गई। योजना के तहत लक्ष्य 2022 तक सभी के लिए आवास सुनिश्चित करना था। इस योजना के लिए 54,832 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 69 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, 2024-25 के संशोधित अनुमान के अनुसार, योजना के लिए आवंटित धनराशि का 41 प्रतिशत उपयोग नहीं किया गया था। सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना 2011 के आधार पर, गांवों में 4.03 करोड़ आवास की कमी का अनुमान है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय बना रही योजना

यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की तैयारी रोजगार की शर्त नहीं, सबको होगा फायदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने पर विचार कर रही है। यह स्वैच्छिक और अंशदायी होगी। इस पेंशन योजना के लिए रोजगार कोई शर्त नहीं होगी यानी इसमें आम नागरिक भी योगदान कर सकेंगे और फिर पेंशन पा सकेंगे। इस योजना का मकसद पारंपरिक रोजगार से परे सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने इस प्रस्तावित समग्र योजना पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, जो मौजूदा पेंशन योजनाओं को एकीकृत करने की दिशा में बढ़ेगी।

इस योजना को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत बनाया जा रहा है। इसके अंतिम प्रारूप को तैयार करने के बाद अलग-अलग हितधारकों की राय ली जाएगी। नई योजना स्वैच्छिक होगी, यानी कोई भी इसमें शामिल हो सकेगा, चाहे उसके पास कोई नौकरी हो या नहीं। इससे असंगठित क्षेत्र के लोग, जैसे कि छोटे व्यापारी, स्वरोजगार करने वाले भी योजना में शामिल हो सकेंगे। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन और राष्ट्रीय पेंशन योजना जैसी मौजूदा पेंशन योजनाओं को मर्ज किया जा सकता है। ये योजनाएं रिटायरमेंट के बाद 3,000 की मासिक पेंशन प्रदान करती हैं, जिसमें 55 से 200 तक का योगदान किया जाता है, और सरकार भी इसमें बराबर का योगदान देती है।

इनको मिलेगा फायदा

यह योजना खासकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार करने वालों और अन्य नागरिकों के लिए बनाई जा रही है। इसमें 18 साल या उससे अधिक उम्र के वे लोग शामिल हो सकेंगे, जो 60 साल के बाद पेंशन लाभ पाना चाहते हैं।

राज्यों से भी अपील

केंद्र सरकार राज्यों को भी इस योजना में अपनी पेंशन योजनाओं को विलय करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। इससे पेंशन अंशदान को एक जगह लाया जा सकेगा। इससे पेंशन भुगतान में वृद्धि होगी। साथ ही, एक शख्स को अधिक पेंशन का लाभ लेने से भी रोका जा सकेगा।

अटल पेंशन योजना होगी मर्ज

अटल पेंशन योजना को भी इस नए ढांचे में शामिल करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। सरकार बिल्डिंग एंड अदर कन्शट्रक्शन वर्कर एक्ट के तहत लिए गए उपकर को निर्माण श्रमिकों की पेंशन वित्तीय सहायता के लिए उपयोग करने पर भी विचार कर रही है।

वृद्ध आबादी का बढ़ता दबाव

मौजूदा अनुमानों के अनुसार, 2036 तक भारत में वरिष्ठ नागरिकों (60 साल और उससे अधिक) की संख्या 22.7 करोड़ तक पहुंच सकती है। यह कुल आबादी का 15 पीसदी होगी। वहीं, 2050 तक यह आंकड़ा 34.7 करोड़ तक पहुंच सकता है, जो कुल जनसंख्या का 20 फीसदी होगा। इसके उलट अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस और चीन जैसे देशों में पहले से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणाली मौजूद है। इसमें पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं और बेरोजगारी भत्ता शामिल हैं। डेनमार्क, स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड्स और न्यूजीलैंड जैसे देशों में यूनिवर्सल पेंशन योजनाएं पहले से ही लागू हैं।

भारत में मौजूदा सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था

अभी भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था मुख्य रूप से भविष्य निधि, वृद्धावस्था पेंशन और गरीब वर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा तक सीमित है। इस प्रस्तावित यूनिवर्सल पेंशन योजना का उद्देश्य इन योजनाओं के दायरे का विस्तार करना और एक समावेशी और सतत पेंशन प्रणाली तैयार करना है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

भारत को 7 प्रतिशत तक वृद्धि दर के लिए उछाल की जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लेखा और परामर्श कंपनी ईवाई ने बुधवार को कहा कि भारत को 6.5 से 7.0 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने के लिए जीडीपी में बदलाव के अनुपात में कर राजस्व में वृद्धि यानी कर में 1.2 से 1.5 उछाल की जरूरत है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार को राजस्व संग्रह को मजबूत करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से कर-से-जीडीपी अनुपात को वित्त वर्ष 2025-26 के अनुमानित 12 प्रतिशत से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2030-31 तक 14 प्रतिशत करना होगा।

ईवाई ने कहा कि भारत की राजकोषीय रणनीति को जीडीपी में बदलाव के अनुपात में कर राजस्व बढ़ाने, विवेकपूर्ण व्यय प्रबंधन और सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 का बजट रणनीतिक रूप से विकास की अनिवार्यताओं के साथ राजकोषीय मजबूती को संतुलित करता है। श्रीवास्तव ने कहा, 'हालांकि, भारत को 6.5 से 7.0 प्रतिशत की मध्यम अवधि की वृद्धि दर हासिल करने और अपने विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, यह सुनिश्चित करना होगा कि कर उछाल 1.2 से 1.5 के दायरे में बना रहे।

सकल कर राजस्व में उछाल कमी

ईवाई इंडिया इकनॉमी वॉच की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले तीन साल में, सकल कर राजस्व में उछाल धीरे-धीरे कम हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 1.4 से वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान के अनुसार 1.15 पर आ गया। वहीं वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इसके 1.07 रहने का अनुमान है। ईवाई रिपोर्ट में कहा गया, ''कर उछाल 1.2 से 1.5 प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने से भारत सरकार को 6.5 से 7.0 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर हासिल करने में मदद मिल सकती है।'' अगले वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने की संभावना है।

स्टारबक्स बिक्री में भारी गिरावट से 1100 कर्मचारियों की करेगी छंटनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉफी चेन कंपनी स्टारबक्स ने वैश्विक स्तर पर 1,100 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी की है। इसके सीईओ ने कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा कि कॉफी की दिग्गज कंपनी 1,100 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बर्खास्त कर रही है, जो बिक्री में गिरावट के बीच कॉफी चेन की पुनर्गठन की दिशा में उठाया गया नया कदम है। कंपनी के नए चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल ने परिचालन को ठीक करने के लिए यह कदम उठाया है। स्टारबक्स के सीईओ ब्रायन निकोल ने उन ग्राहकों को वापस लाने का संकल्प

लिया है, जो 8 डॉलर के लैटे और लंबे इंतजार के समय से मना नहीं करते हैं। इससे हाल के महीनों में बिक्री पर भी दबाव पड़ा है।

स्टारबक्स सीईओ ने कंपनी के लिए रिस्ट्रक्चरिंग प्लान के तहत इस ले ऑफ का एलान किया है। स्टारबक्स ने एलान किया कि वह 1,100 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को नौकरी से निकालने और कई सौ खाली या रिक्त पदों को बंद करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ी है। सीईओ ब्रायन निकोल ने कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा, 'हमारा इरादा अधिक कुशलता से काम करना, जवाबदेही बढ़ाना, जटिलता कम करना और बेहतर एकीकरण करना है।

व्यवसाय सुधारने के प्रयास

यह कदम निकोल द्वारा ग्राहकों के लिए स्टोर के अनुभव पर पुनर्विचार करने और व्यवसाय को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बीच उठाया गया है, जो कि स्टारबक्स के लिए मूल रूप से जाना जाने वाला अधिक व्यक्तिगत कॉफीहाउस वातावरण वापस लाने की उनकी प्रतिज्ञा का हिस्सा है।

ईपीएफओ ने दी राहत, यूएन एक्टिवेशन और आधार लिंक की बढ़ाई डेडलाइन

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत दी है। उसने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर को एक्टिव करने और बैंक अकाउंट को आधार से लिंक करने की डेडलाइन को बढ़ा दिया है। अब यह जरूरी काम 15 मार्च 2025 तक किया जा सकता है। यह डेडलाइन 15 फरवरी 2025 को खत्म हो गई थी।

सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम के साथ किया समझौता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने पेटीएम के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत कंपनी स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा समर्थन, बाजार पहुंच तथा वित्त पोषण के अवसर उपलब्ध कराएगी। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और विनिर्माण व वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के विकास में तेजी लाने के लिए पेटीएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

चुनौतियों से निपटने लक्ष्य

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, 'पेटीएम की वित्तीय प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर, हमारा उद्देश्य उद्यमियों को चुनौतियों से निपटने तथा उनके उद्यमों को बढ़ाने में सहायता करना है।'

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।

अपग्रेड 100 करोड़ रुपए से बनाएगी एआई इनक्यूबेटर

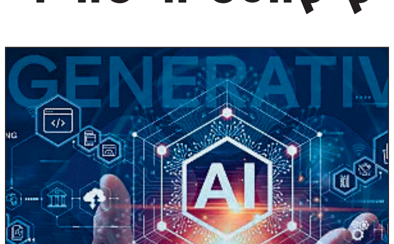

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी अपग्रेड ने पढ़ाई और कौशल विकास में नवाचार को बढ़ावा देने के मकसद से 100 करोड़ रुपए से एक एआई इनक्यूबेटर बनाने का फैसला किया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'एआई इनक्यूबेटर' कृत्रिम मेधा के लिए समर्पित नवोन्मेषण कार्यक्रम होता है, जिसके जरिये एक सीमित समय में किसी एआई प्रक्रिया या उत्पाद तक पहुंच बनाई जा सकती है।

अपग्रेड के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉनी स्क्रूवाला ने बातचीत में कहा कि स्कूल और कॉलेजों के पाठ्यक्रम के बाहर कौशल और पढ़ाई का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इस खंड के लिए अभिनव तरीके तलाशने की जरूरत है। स्क्रूवाला ने कहा, 'हम इस उद्देश्य के लिए 100 करोड़ रुपये लगा रहे हैं।

मूल्यांकन के खेल में उलझना नहीं

इसके साथ ही स्क्रूवाला ने कहा कि अपग्रेड फर्मों के मूल्यांकन के खेल में नहीं उलझना चाहती है क्योंकि यह स्टार्टअप के लिए बहुत बोझिल हो जाता है। हालांकि, अपग्रेड यह सुनिश्चित करना चाहेगी कि ये कंपनियां किफायती ढंग से नवाचार करें। अपग्रेड ने इसके पहले महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से 2,150 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक एआई उत्कृष्टता केंद्र बनाने की दावोस में घोषणा की थी। इसके अलावा कंपनी ने एक साल में 10 लाख भारतीय पेशेवरों को एआई में प्रशिक्षित करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी भी की है।

एक समूह बनाने की योजना: स्क्रूवाला ने कहा कि कंपनी एआई क्षेत्र मे सक्रिय स्टार्टअप कंपनियों का एक समूह तैयार करेगी जिनका अंतिम लक्ष्य सीखने और कौशल क्षेत्र को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि 'अपग्रेड एआई इनक्यूबेटर' ऐसी कंपनियों का समर्थन करेगी जो लागत-कुशल वृद्धि, सामग्री निर्माण को प्रोत्साहन, एआई-संचालित प्रणालियों के माध्यम से एक साथ कई बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन देने में सक्षम बनाने से जुड़ी हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)
कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सज्जन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथैरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

51 साल की उम्र में भी नहीं बदला तेंदुलकर का अंदाज, मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए भले ही लंबा समय हो गया है, लेकिन अभी भी उनके खेलने का अंदाज नहीं बदला है। सचिन फिलहाल अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में हिस्सा ले रहे हैं, जहां वह इंडिया मास्टर्स की कप्तानी संभाल रहे हैं। सचिन ने इंग्लैंड मास्टर्स के खिलाफ 21 गेंदों पर 34 रन की पारी खेली जिससे इंडिया मास्टर्स ने नौ विकेट से जीत दर्ज की।

चौकों-छक्कों से झूमे दर्शक

मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने 132 रन का लक्ष्य 11.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान तेंदुलकर ने क्रिस शॉफील्ड की गेंद पर आउट होने से पहले पांच चौके और एक छक्का लगाकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का मनोरंजन किया। सचिन ने बल्लेबाजी के दौरान कई शानदार शॉट्स खेले और अपने खेलने के दिनों की याद दिला दी। सचिन की पारी देखकर स्टेडियम पर मौजूद दर्शक खुशी से झूम उठे।

मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

घरेलू टीम के लिए गुरकीरत सिंह मान ने 35 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी खेली, जबकि युवराज सिंह 14 गेंद में 27 रन बनाकर नाबाद रहे जिससे इंडिया मास्टर्स ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। तेंदुलकर की अगुवाई वाली टीम ने इंग्लैंड मास्टर्स को आठ विकेट पर 132 रन पर रोक दिया। तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी ने तीन जबकि तेज गेंदबाज अभिमन्यु मिथुन और बाएं हाथ के स्पिनर पवन ने दो-दो विकेट लिए।

सचिन का करियर

सचिन तेंदुलकर के नाम टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। मास्टर ब्लास्टर ने भारत के लिए 200 टेस्ट मैच खेले जिनमें 15921 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाए। वहीं, 463 वनडे मैचों में उनके बल्ले से 18426 रन निकले जिनमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा सचिन ने भारत के लिए एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेला है।

कोहली तोड़ सकता है सौ शतक का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुंबई के धुरंधर वसीम जाफर का मानना है कि विराट कोहली अगले तीन चार साल और खेल सकता है और सचिन तेंदुलकर का सौ अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। छत्तीस वर्ष के कोहली ने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में पाकिस्तान पर छह विकेट से मिली जीत में अपना 82वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। जाफर ने इंडिया कारपोरेट टी20 बैश के लांच के मौके पर कहा, 'एक क्रिकेटप्रेमी के तौर पर आप विराट को ज्यादा से ज्यादा खेलते देखना चाहते हैं। मुझे यकीन है कि सभी चाहते हैं कि वह तीन चार साल और खेलकर सारे रिकॉर्ड तोड़े। वह शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। जब सचिन तेंदुलकर ने सौ शतक बनाए तो लगा था कि इसे कोई नहीं तोड़ सकेगा लेकिन 2010 से जिस तरह से विराट ने रन बनाए हैं तो लगता है कि वह इस असंभव को संभव कर सकता है। अगर विराट रिकॉर्ड तोड़ता है तो सचिन तेंदुलकर को बहुत खुशी होगी।'

खबर संक्षेप

वित्तीय सहायता देने के संबंध में समिति गठित

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारत के सामने आने वाली चुनौतियों और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की देश की दावेदारी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खेल महासंघों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के मानदंडों में संशोधन करने के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल करेंगे। इसमें कार्यकारी निदेशक (टीम) रितु पथिक, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के सीईओ एनएस जोहल, पूर्व टॉप्स सीईओ कमोडोर (सेवानिवृत्त) पीके गर्ग और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव शामिल हैं।

पिंक लेडीज़ कपः कोरिया से हारी भारतीय टीम

शारजाह। भारत की सीनियर महिला टीम बुधवार को यहां अल हमरिया स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में पिंक लेडीज कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में कोरिया से 0-3 से हार गई। फीफा रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद कोरियाई टीम मध्यांतर तक 2-0 से आगे थी। कोरिया की तरफ से चोई यूजुंग (आठवें) और चोई डागयेओंग (27वें) ने पहले हाफ में गोल किए। उसकी तरफ से तीसरा गोल मुन यूनजु ने 81वें मिनट में किया। भारत ने इस टूर्नामेंट में तीन मैच खेले। उसने अपने पहले मैच में जॉर्डन को हराया था लेकिन इसके बाद उसे रूस और कोरिया से हार का सामना करना पड़ा।

अभियान पटरी पर लाने के लिए उतरेगा आरसीबी

बेंगलुरु। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार को भुलाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर चल रही गुजरात जॉइंट्स की टीम के खिलाफ जीत दर्ज करके अपना अभियान वापस पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने पहले दो मैच जीतकर इस सत्र में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे लगातार दो मैच में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स से हार का सामना करना पड़ा।

फखर और अयूब की कमी खलीः आकिब

रावलपिंडी। पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच और राष्ट्रीय चयनकर्ता आकिब जावेद ने बुधवार को कहा कि सैम अयूब और फखर जमां के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम के अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। आकिब ने कहा कि सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के बावजूद टीम अपने अभियान का जीत के साथ अंत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान गुरुवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में बांग्लादेश से खेलेगा।

एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में आठ रन से हराया

जदरान और उमरजइ ने अफगानिस्तान को दिलाई जीत, इंग्लैंड चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

एजेंसी ▶▶| लाहौर

इब्राहिम जदरान के रिकार्ड 177 रन और तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजइ के पांच विकेट की मदद से अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में बुधवार को इंग्लैंड को आठ रन से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया। इंग्लैंड की टीम दो मैच हार चुकी है और अब उसे ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलना है जिसके आस्ट्रेलिया के बराबर तीन अंक हैं। अफगानिस्तान के अब दो अंक है और उसे अगले दौर में पहुंचने के लिए आखिरी ग्रुप मैच में आस्ट्रेलिया को हराना होगा।

जीत के लिए 326 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दो विकेट 30 रन पर गंवा दिए। उमरजइ ने 58 रन देकर पांच अहम विकेट लिए और एक गेंद बाकी रहते इंग्लैंड की पूरी टीम 317 रन पर आउट हो गई। जो रूट ने 111 गेंद में 120 रन बनाए। उन्होंने बेन डकेट (38) के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन की और कप्तान जोस बटलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। इस मैच की विजेता टीम की ग्रुप बी से सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रहेंगी और दूसरी टीम बाहर हो जाएगी।

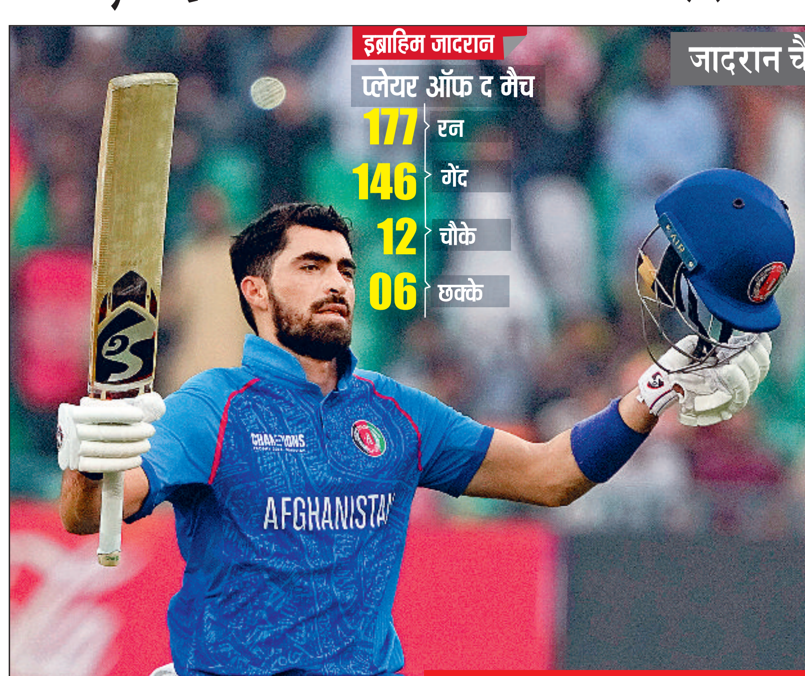

जादरान चैंपियंस ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर

अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इंब्राहिम जादरान ने लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी के पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। जादरान 146 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 177 रन बनाकर आउट हुए। यह चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने इंग्लैंड के बेन डकेट को पीछे छोड़ा जिन्होंने पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 165 रनों की पारी खेली थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में टॉप स्कोर

रन	बल्लेबाज	बनाम	वर्ष
177	इब्राहिम जादरान	इंग्लैंड	2025
165	बेन डकेट	ऑस्ट्रेलिया	2025
145*	नाथन एश्ले	अमेरिका	2004
145	एंडी फ्लावर	भारत	2002
141*	सौरव गांगुली	द.अफ्रीका	2000

जदरान का तूफान

सलामी बल्लेबाज जदरान के 177 रन की मदद से अफगानिस्तान ने सात विकेट पर 325 रन बनाए।जदरान ने 146 गेंद की अपनी पारी में 14 चौके और छह छक्के जड़े। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने उनका पूरा साथ निभाते हुए 67 गेंद में 40 रन बनाए और चौथे विकेट की साझेदारी में 103 रन भी जोड़े। अजमतुल्लाह उमरजइ ने 31 गेंद में 41 रन बनाए और पांचवें विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। बाद में जदरान ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 111 रन जोड़े। नबी ने 24 गेंद में 40 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4	6
रहमानुल्लाह गुरबाज बो आर्चर	06	15	0	0
जदरान का आर्चर बो लिविंगस्टोन	177	146	12	6
सेदिकुल्लाह पगबाधा बो आर्चर	04	04	1	0
रहमत शाह का रशीद बो आर्चर	04	09	0	0
हशमतुल्लाह शाहिदी बो रशीद	40	67	3	0
उमरजइ का बेंटोन बो ओवरटन	41	31	1	3
नबी का रूट बो लिविंगस्टोन	40	24	2	3
गुलबदिन नायब नाबाद	01	03	0	0
राशिद खान नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 11, योग : 50 ओवर में 325/7
गेंदबाजी : आर्चर 10-0-64-3, वुड 8-0-50-0, ओवरटन 10-0-72-1, रशीद 10-0-60-1, रूट 7-0-47-0, लिविंगस्टोन 5-0-28-2.

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
फिल साल्ट बो उमरजइ	12	13	2	0
बेन डकेट पगबाधा बो राशिद	38	45	4	0
जैमी स्मिथ का उमरजइ बो नबी	09	13	2	0
रूट का गुरबाज बो उमरजइ	120	111	11	1
हैरी ब्रूक का और बो नबी	25	21	3	0
बटलर का रहमत बो उमरजइ	38	42	0	2
लिविंगस्टोन का गुरबाज बो नायब	10	08	2	0
ओवरटन का नबी बो उमरजइ	32	28	3	0
आर्चर का नबी बो फारूकी	14	08	2	0
रशीद का जदरान बो उमरजइ	05	07	0	0
मार्क वुड नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 12, योग : 49.5 ओवर में 317/10
गेंदबाजी : फारूकी 10-0-62-1, उमरजइ 9.5-0-58-5, नबी 8-0-57-2, राशिद 10-0-66-1, अहमद 10-0-51-0, नायब 2-0-16-1.

रणजी ट्रॉफी फाइनल

मालेवार का नाबाद शतक विदर्भ की दमदार वापसी

एजेंसी ▶▶| नागपुर

युवा बल्लेबाज दानिश मालेवार के नाबाद शतक और अनुभवी करुण नायर के साथ 215 रन की साझेदारी की मदद से दो बार के चैंपियन विदर्भ ने खराब शुरुआत से उबर कर केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बुधवार को यहां चार विकेट पर 254 रन बनाए। मालेवार 138 रन बनाकर खेल रहे हैं जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह दूसरा शतक है।

नायर भी शतक के करीब थे लेकिन दिन के खेल के अंतिम ओवरों में वह आपसी गफलत के कारण रन आउट हो गए। उन्होंने 86 रन बनाए। इन दोनों ने तब जिम्मेदारी संभाली जब विदर्भ तीन विकेट पर 24 रन के स्कोर पर संकट में दिख रहा था। मालेवार और नायर ने चौथे विकेट के लिए बड़ी साझेदारी के दौरान 414 गेंद खेली। जब लग रहा था कि यह दोनों दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद रहेंगे तब वे एक अनावश्यक रन के लिए दौड़ पड़े और नायर को अपना विकेट गंवाना पड़ा। उन्होंने अपनी पारी में 188 गेंद का सामना किया तथा आठ चौके और एक छक्का लगाया। मालेवार अभी तक 259 गेंद का सामना कर चुके हैं। उनकी पारी में 14 चौके और दो छक्के शामिल हैं।

निधिश ने चटकाए दो विकेट

इससे पहले केरल ने टॉस जीत कर विदर्भ को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और शुरू में ही उसे तीन झटके दिए। केरल की तेज गेंदबाजी के अगुआ एमडी निधिश ने दो विकेट लिए जबकि नई गेंद के उनके जोड़ीदार ईडन एप्पल टॉम ने एक विकेट लिया। निधिश ने मैच की दूसरी ही गेंद पर पार्थ रेखाडे (00) को आउट कर दिया लेकिन इसका श्रेय कप्तान सचिन बेबी को जाता है, जिन्होंने मैदानी अंपायर द्वारा पगबाधा की जोरदार अपील को ठुकराने के बाद रिव्यू लेने का फैसला किया। दर्शन नालकंडे (01) ने खराब शॉट खेल कर निधिश को अपना विकेट इनाम में दिया जबकि ईडन एप्पल टॉम ने ध्रुव शोरे (16) को विकेट के पीछे कैच कराकर केरल को बड़ी सफलता दिलाई।

वनडे रैंकिंग

गिल शीर्ष पर मजबूत कोहली 5वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत को चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने आईसीसी एक दिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

गिल ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 101 और पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन की पारी खेली थी। उन्हें इससे 21 रेटिंग अंक मिले और अब उनके 817 रेटिंग अंक हो गए हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे स्थान पर अब उनसे 47 अंक पीछे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाने वाले विराट कोहली पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि केएल राहुल 15वें स्थान पर आ गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ शतक जमाने वाले न्यूजीलैंड के विल यंग आठ पायदान चढ़कर 14वें और टॉम लैथम 11 पायदान चढ़कर 30वें स्थान पर आ गए है। वहीं रचिन रविंद्र 18 पायदान चढ़कर अब 24वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के एलेक्स कारी चार स्थान के फायदे के साथ 50वें और जोश इंगलिस 18 स्थान के फायदे के साथ 81वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में केशव महाराज और मैट हेनरी शीर्ष पांच में और एडम जम्पा शीर्ष दस में पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम को जीतनी चाहिए चैंपियंस ट्रॉफी

शारजाह। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कोच लालचंद राजपूत ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को निर्मम करार देते हुए कहा कि उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। भारत ने 2007 में राजपूत के कोच रहते हुए ही पहले टी20 विश्व कप में जीत हासिल की थी। राजपूत ने कहा, 'भारतीय टीम निर्मम नजर आ रही है। वह हर मैच में दबदबा बना कर जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं देना चाहते हैं। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे लगता है कि उसे आसानी से चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए।'

बीएफआई चुनाव जल्द कराने की जरूरत, मैं खुद लड़ने को तैयार

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के जल्द से जल्द नए सिरे से चुनाव कराने की अपील करते हुए कहा कि अगर मौका मिला तो वह चुनाव लड़ने में संकोच नहीं करेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता 39 वर्षीय विजेंदर अभी पेशेवर सर्किट में खेल रहे हैं हालांकि उन्होंने 2022 के बाद से कोई मुकाबला नहीं लड़ा है। विजेंदर ने कहा, 'जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी। मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता। अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करुंगा।'

कतर ओपन जीतने के 3 दिन बाद दुबई में पहले दौर में हारे रुबलेव

एजेंसी ▶▶| दुबई

रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव कतर ओपन खिताब के तीन दिन बाद दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर क्वेंटिन हेलिस से 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हारकर बाहर हो गए। विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा।

एक अन्य मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6 (4) से हराया। उनका अगला मुकाबला जियोवानी एमपेत्शी पेरिकार्ड से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच से 6-2, 3-6, 6-3 से हार गए। नूनो बोर्जेस ने आठवीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-1 से हराया। दूसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में पांचवीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट, माटेओ बेरेटिनी, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल शामिल हैं।

खालिन जोशी ने शानदार 60 का स्कोर किया, हाफवे लीड पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नया रायपुर

बेंगलुरु के गोल्फर खालिन जोशी ने शानदार नौ-अंडर 60 का स्कोर करते हुए दूसरे दौर में एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली। उनके कुल स्कोर 14-अंडर 124 हो गया है। छत्तीसगढ़ पर्यटन द्वारा 1 करोड़ ईनामी राशि वाली एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन 2025 का आयोजन नया रायपुर के फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में किया गया है। अंतरराष्ट्रीय विजेता खालिन जोशी (64-60), जिन्होंने शौर्य बिनु द्वारा पहले दौर में बनाए गए टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर 60 की बराबरी की, पहले दिन संयुक्त 13वें स्थान से 12 स्थान की छलांग लगाकर बुधवार को एकल बढ़त पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (64-61) और गुरुग्राम के कार्तिक शर्मा (63-62) ने बोगी-फ्री राउंड के साथ क्रमशः 61 और 62 का स्कोर किया और संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। दोनों का कुल स्कोर 13-अंडर 125 रहा। शौर्य 11 स्थान ऊपर आए, जबकि कार्तिक ने 5 स्थानों की छलांग लगाई। पहले दौर के लीडर शौर्य बिनु ने 67 का स्कोर किया, जिससे वह संयुक्त आठवें स्थान पर खिसक गए। उनका कुल स्कोर 11-अंडर 127 है।

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी राजनांदगांव देश और प्रदेश की साहित्य परंपरा को समृद्ध और पुष्पित पल्लवित करने वाली पवित्र भूमि है। यहां साहित्य जगत की तीन महान विभूतियों ने समस्त हिंदी जगत को आलोकित किया। ये त्रयी थे, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, गजानन माधव मुक्तिबोध और डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र। इनमें डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र ने अपने जीवनकाल में साहित्य, समाज, राजनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया।

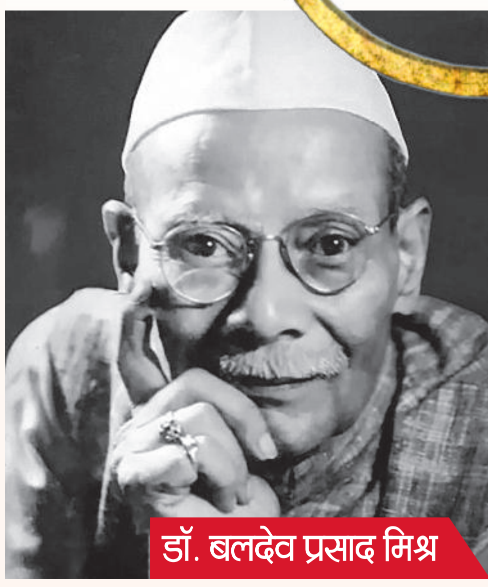
डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र

मानस मर्मज्ञ, प्रसिद्ध साहित्यकार
डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र

समृद्ध और संपन्न परिवार में जन्म

मिश्र जी का जन्म 12 सितंबर 1898 को राजनांदगांव में हुआ। पिता दिवंगत नारायण प्रसाद मिश्र मालगुजार और लोक कर्म विभाग के ठेकेदार थे। माता जानकी देवी धर्मपरायण महिला थीं। दादा शिवरतन लाल मिश्र ने भी ठेकेदारी के क्षेत्र में नाम कमाया था, साथ ही रायपुर में भी भव्य इमारतों का निर्माण किया। पिता नारायण प्रसाद मिश्र भी रेलवे और पीडब्ल्यूडी की ठेकेदारी के सिलसिले में राजनांदगांव आकर बस गए थे। मिश्र जी चार भाइयो में तीसरे नंबर के थे। बड़े भाई जगन्नाथ प्रसाद के जन्म के बाद एक भाई की असमय मौत हो गई। इस बालक के मौत की भविष्यवाणी उनकी दादी ने पहले ही कर दी थी। साथ ही ये भी कहा था कि अगली संतान बेटा होगा। दादी की भविष्यवाणी सही हुई और बलदेव प्रसाद का जन्म हुआ। बड़े भाई जगन्नाथ प्रसाद मिश्र आगे चलकर सेशन जज बने। छोटे भाई बलभद्र प्रसाद मिश्र प्रकाशक और पत्रकार बने। छोटे भाई ज्वाला प्रसाद मिश्र बालाघाट कलेक्टर पद से रिटायर हुए। पिता नारायण प्रसाद मिश्र उत्तरप्रदेश के उन्नाव जिले के बहुराजमऊ से राजनांदगांव आए थे। मिश्र जी कान्यकुब्ज परिवार से थे। घर परिवार पर भी लक्ष्मी के साथ माता सरस्वती की कृपा भरपूर बरसी। मिश्र जी का विवाह रामप्यारी देवी से हुआ था जो कि सदैव उनके प्रशस्त कर्मक्षेत्र की अभिन्न सहयोगिनी रही।

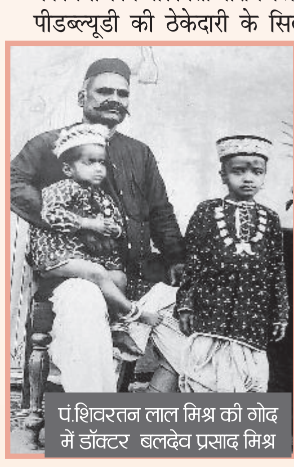
पं.शिवरतन लाल मिश्र की गोद में डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्र

विद्यार्थी जीवन से साहित्य में रुझान

मिश्र जी 1914 में स्थानीय स्टेट हाईस्कूल से प्रवेशिका परीक्षा में पास हुए। 1918 में नागपुर के हिस्लॉप कॉलेज से बीए और एमए नागपुर विश्वविद्यालय के तहत मॉरिस कॉलेज से 1920 में एमए की परीक्षा पास की। 1921 में मिश्र जी ने एलएलबी की परीक्षा पास की। विद्यार्थी जीवन में ही मिश्र जी ने संस्कृत, हिंदी, ड्राइंग और शार्ट हैंड की परीक्षाएं पास की। इसके बाद हिंदी साहित्य के विशारद होकर कविता लेखन शुरू किया।

नीचे की कतार में कुर्सी पर बड़े (दाएं से बाएं) कुमारी उमा वर्मा, गजानन माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, बलदेव प्रसाद मिश्र, डा. द्वारिका प्रसाद मिश्र

राष्ट्रीय आंदोलन में भागीदारी

1920 में देश में चल रहे राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव भी मिश्र जी पर पड़ा। ठाकुर प्यारेलाल सिंह के सहयोग से एक राष्ट्रीय माध्यमिक शाला का संचालन भी हुआ। उस दौरान चंदा मिलना मुश्किल हो गया था। ऐसे में मिश्र जी और उनके साथियों ने भागवत सप्ताह पढ़कर पैसा इकट्ठा किया। मारवाड़ी सेवा समाज की स्थापना में मिश्र जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1922 में जब राष्ट्रीय आंदोलन की धार कमजोर हुई तब मिश्र जी का झुकाव समाज सेवा और राजनीति से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। पंडित रविशंकर शुक्ल के बुलावे पर मिश्र जी रायपुर आए और वकालत के साथ साथ कांग्रेस के कार्यक्रमों में भी शामिल होने लगे। दस महीनों तक मिश्र जी रायपुर में रहे। एक सप्ताह में ही मिश्र जी ने 'शंकर दिग्विजय' नाटक की रचना की।

तुलसी दर्शन पर रचा शोध प्रबंध ग्रंथ

1936 में तुलसी दर्शन पर शोध प्रबंध ग्रंथ की रचना कर शिक्षा क्षेत्र की सबसे बड़ी उपाधि पीएचडी प्राप्त की। मिश्र जी ने अपना शोध ग्रंथ हिंदी में पीएचडी.के लिए प्रस्तुत किया था, लेकिन इनके कार्य से प्रभावित होकर डीलिट.की डिग्री दी गई। खास बात ये है कि मिश्र जी ने भारतीय भाषा में शोध प्रबंध लिखकर देने की छूट प्राप्त की थी, जिसका अनुकरण दूसरे विश्वविद्यालयों ने भी किया। 1940 में तबीयत बिगड़ने पर विशिष्ट पेंशन पर अवकाश लेकर रायपुर आ गए और अनेक सार्वजनिक संस्थाओं का संचालन करने लगे।

1942 में सार्वजनिक भाषणों पर प्रतिबंध लगने के बाद मानस प्रवचन के जरिए अपने विचार जनता में पहुंचाए। साहित्यिक यात्रा में मिश्र जी ने 1924 में मौलिक शोध प्रबंध जीव विज्ञान लिखा जिसकी साहित्य जगत में काफी तारीफ हुई। 1928 में प्रकाशित 'जीव विज्ञान' पर पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा था, 'जो विषय आपकी पुस्तक का है, इस विषय की कई पुस्तकें मैं उलट-पुलट चुका हूं, मुझे कांटों और कंकड़ों के सिवा और कुछ नहीं मिला। रत्न, कहीं थे तो वे मेरी नजरों में छिपे रहे। दोष उन ग्रंथों का नहीं, मेरा ही था। आपकी पुस्तक के अवलोकन से मुझे अनेक तत्व रत्नों की प्राप्ति हो गई। आप मेरी कृतज्ञता स्वीकार करें. आप धन्य हैं'। इसके बाद उन्होंने रामचरित से जुड़े तीन उपन्यास कौशल किशोर, साकेत संत और रामराज्य का सृजन किया, जिसमें साकेत संत की भूमिका राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने लिखी थी। मिश्र जी के मानस लेखन पर पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने लिखा है कि 'मानस पर बलदेव मिश्र ने लिखकर हिंदी, मानवता के प्रति जो काम किया है, वह सराहनीय है। उतनी ही सरलता के साथ मौलिक रूप को भी उन्होंने अपने गहरे चिंतन, अध्ययन से सुंदर बनाया है। कौशल किशोर के सृजन की तारीफ तो खुद पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने की थी। उन्हें 1934 में प्रकाशित 'कौशल किशोर' के लिए विश्वकवि रविंद्रनाथ टैगोर का आशीर्वाद मिला था। उनकी लेखन शैली और रचनाओं के बारे में आचार्य ललिता प्रसाद शुक्ल ने कहा था, 'खड़ी बोली जो सामान्य तौर पर अपने कड़ेपन के लिए बदनाम सी समझी जाती है, उसमें भी इतनी मृदुता भर देना, उसका यथेष्ट शुद्ध रूप, निर्वाह कर ले जाना, उनके जैसे विद्वानों का काम है'। इसके अलावा शोध प्रबंध भारतीय संस्कृति जिसकी भूमिका सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश भुवनेश्वर प्रसाद सिंह ने लिखी थी। इसके साथ ही मानस में रामकथा, मानस माधुरी, जीवन संगीत, उदात्त संगीत, सहित 80 ग्रंथों की रचना की। मिश्र जी ने बाल कक्षाओं से लेकर एमए तक के पाठ्य ग्रंथों की रचना की। साथ ही विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लेखक और संपादक भी रहे।

पचमढ़ी में तुलसी साहित्य में व्याख्यान देते ।

'छत्तीसगढ़ परिचय'

छत्तीसगढ़ परिचय पुस्तक मिश्र जी की अतुलनीय कृति मानी जाती है। इसे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के कई दशक पहले ही एक समृद्ध राज्य के तौर पर बलदेव प्रसाद मिश्र जी ने पाठकों के सामने रखा था। करीब 128 पृष्ठों में कुल 25 शीर्षकों को समेटी इस किताब में 24 लोक कथाएं है और पचीसवां लेख इतिहास से संबंधित है। तमाम विविधताओं को अपने में समेटे इस भूभाग के 'इतिहास' की ऐसी रोचक प्रस्तुति, जिसमें उत्तर छत्तीसगढ़ का रामगिरि तो दक्षिण छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा भी शामिल है, अनूठी है। अनूठी इस अर्थ में कि अक्सर छत्तीसगढ़ की बात करते हुए राज्य का उत्तरी हिस्सा, सरगुजा और दक्षिणी हिस्सा, बस्तर पूरी तरह छूट जाता है, अधिकतर मध्य मैदानी छत्तीसगढ़ को ही समग्र मान लिया जाता है। साथ ही स्थानीय मान्यताओं, दंतकथाओं के साथ इतिहास को प्रस्तुत करने की शैली रायबहादुर हीरालाल और लोचन प्रसाद पांडेय की थी, उसी तरह वह यहां भी पूरे सम्मान सहित दर्ज है। साथ ही इसमें किसी सजग इतिहासकार की तरह तथ्यों और विश्वास-मान्यता को स्पष्ट रखा गया है।

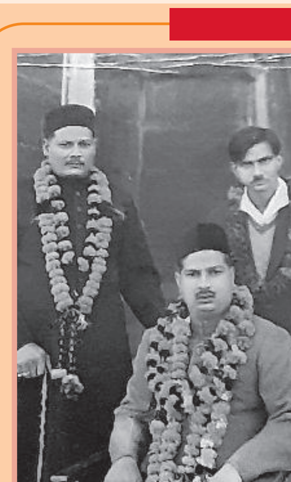
रायगढ़ के महाराज राजा चक्रधर सिंह कुर्सी में, बाएं तरफ खड़े हैं डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्र।

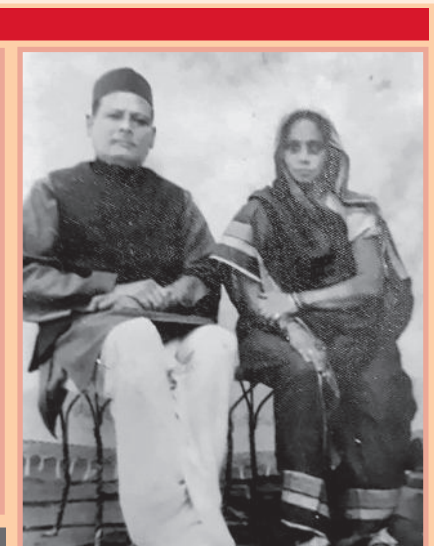
पत्नी राम प्यारी देवी के साथ बलदेव प्रसाद मिश्र जी।

मां सरस्वती के उपासक, लक्ष्मी जी की कृपा

बलदेव प्रसाद मिश्र महान साहित्यकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जी के परम मित्र थे। आरपी दीक्षित के मुताबिक बख्शी जी ने मिश्र जी को लेकर कहा था कि माता सरस्वती और माता लक्ष्मी की कृपा एक साथ कम ही लोगो को मिलती है। इसका अपवाद मिश्र जी ही हैं, जिन पर लक्ष्मी जी के साथ साथ माता सरस्वती की कृपा बरसती थी।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरू के साथ मिश्र जी।

जनसेवा के साथ साहित्य सेवा

मिश्र जी का मन वकालत में ज्यादा समय तक रम नहीं पाया और इसी बीच हालात कुछ ऐसे बने कि उन्हें रायगढ़ स्टेट के लिए जज बनकर जाना पड़ा। यहां 1 साल तक न्यायाधीश, 7 साल तक नायब दीवान और 1930 से 1940 तक दस सालों तक दीवान रहे। प्रशासनिक पदों पर काम करते हुए मिश्र जी ने साहित्यिक ग्रंथों की रचना की। इस तरह 18 सालों तक मिश्र जी ने रायगढ़ स्टेट की सेवा की। आने वाले समय में मिश्र जी रायगढ़ और खरसिया, राजनांदगांव नगरपालिका के अध्यक्ष बने। इसके अलावा रायपुर नगरपालिका के ज्येष्ठ उपाध्यक्ष भी रहे। अपने सार्वजनिक जीवन में मिश्र जी भारत सेवक समाज की अखिल भारतीय परिषद के सदस्य और भारत सेवक समाज के मध्यप्रदेश में प्रदेश संयोजक रहे।

ईमानदार और राजनीति में शुचिता की मिसाल

मिश्र जी खुज्जी विधानसभा से भी विधायक रहे। इस दौरान उन्होंने ईमानदारी की मिसाल गढ़ी। राजनीति के चाणक्य और पूर्व मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा के अनुरोध पर उन्होंने खुज्जी से चुनाव लड़ा और विधायक बने। विधायक रहते मिश्र जी ने पूरी तरह पारदर्शिता बरती। बतौर विधायक उनका कार्यकाल बेदाग रहा। उन्होंने राजनीति में शुचिता और पारदर्शिता के नए आयाम गढ़े। चुनाव खर्च की तय सीमा उस समय 15 हजार थी, जिसमें से मिश्र जी ने 13 हजार 500 रुपए चुनाव में खर्च किए। मिश्र जी दूसरों का दुख-दर्द देखकर परेशान हो जाते थे। एक ग्रामीण महिला ने रोते हुए जब अपनी दर्दभरी कहानी सुनाई तो वे बेहद दुखी हुए और बीमार पड़ गए। कई लोगों ने माना कि वर्तमान राजनीति के लिए मिश्र जी जैसे व्यक्ति मिसफिट थे। तमाम परिस्थितियों के बावजूद मिश्र जी ने अपने ऊपर कोई आंच नहीं आने दी।

1972 में विधान सभा चुनाव परिणाम का दिन, खुज्जी विधान सभा से विजयी हुए मिश्र जी।

बैठे -(बांये से)बड़े पुत्र श्री नर्मदा प्रसाद मिश्र,पत्नी श्रीमती राम प्यारी डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्र, छोटे पुत्र श्री काशी प्रसाद मिश्र। खड़े-(बांये से)पौत्र आशीष,पुत्र वधु श्रीमती पुष्पलता,पुत्री श्रीमती किशोरी देवी,पुत्र वधु श्रीमती कमलोत्मा,पौत्र प्रदीप मिश्र।

अंतिम समय तक साहित्य में सक्रियता

लगातार अध्ययन और साहित्य सृजन में लगे रहने के कारण मिश्र जी अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाए। करीब 35 सालों तक डायबिटीज के मरीज रहे। गिरती सेहत के कारण 1975 में दो-तीन महीने रायपुर के डीकेएस अस्पताल में भर्ती रहे। जहां डॉक्टर मेहता ने उनका इलाज किया। जब डॉक्टर्स ने जवाब दे दिया तो परिवारवाले उन्हें घर ले आए। अपने परिवार के बीच 4 सितंबर 1975 को मिश्र जी इस नश्वर संसार को छोड़कर अनंत यात्रा पर चले गए।

inh न्यूज
शुक्रवार रात 7.55 बजे

मिश्र जी साहित्य जगत के सूर्य

संस्कारधानी नगरी की माटी के सपूत डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र साहित्य जगत के सूर्य थे। मिश्र जी न केवल तुलसी दर्शन और मानस की रामकथा के लिए जाने जाते हैं, बल्कि जीव विज्ञान और कौशल किशोर जैसी कालजयी कृतियों के माध्यम से भी उन्होंने साहित्य में अमूल्य योगदान दिया।
-डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष,छत्तीसगढ़

हिंदी साहित्य को संवारा और समृद्ध किया

बलदेव प्रसाद मिश्र हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार और लोक सेवक थे, जिनका जीवन समाज सेवा, साहित्यिक सृजन, और जनकल्याण के प्रति समर्पित था। उन्होंने न केवल हिंदी साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि अपने लोकसेवा कार्यों के माध्यम से समाज में जागरूकता और बदलाव लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।
-धरमलाल कौशिक, वरिष्ठ विधायक बीजेपी

साहित्य के अनछुए पहलुओं को उजागर किया

बलदेव प्रसाद मिश्र छत्तीसगढ़ में एक प्रसिद्ध लोक सेवक, न्यायविद, और साहित्यकार के रूप में ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व थे। उन्होंने साहित्य के अनछुए पहलुओं को उजागर किया और लोकसेवा के माध्यम से जनसेवा करते हुए अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। -सुशांत शुक्ल, बीजेपी विधायक, बेलतरा

ईमानदारी और निष्ठा की मिसाल

मिश्र ने अपने जीवन में ईमानदारी और निष्ठा की मिसाल पेश की। साहित्य जगत में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, और अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने भाषा और संस्कृति को समृद्ध किया। वे न केवल एक उत्कृष्ट साहित्यकार थे, बल्कि छत्तीसगढ़ की माटी से भी गहरा लगाव रखते थे।
-सुनील सोनी, बीजेपी विधायक

सरस्वती के उपासक थे मिश्र जी

बलदेव प्रसाद मिश्र जी सरस्वती के उपासक थे और ज्ञान के प्रति उनकी गहरी आस्था थी। अध्ययन के प्रति उनकी लगन ने उन्हें एक प्रख्यात साहित्यकार और विद्वान बनाया। वे पत्र-व्यवहार के माध्यम से लोगों से जुड़े रहते थे । उनके पत्रों में उनकी आत्मीयता और विचारशीलता झलकती थी, जिससे लोग उनसे सहज ही प्रभावित हो जाते थे।
-आरपी दीक्षित, मिश्र जी के पोती दामाद

हिंदी और संस्कृत के प्रकांड विद्वान

मिश्र जी हिंदी साहित्य और संस्कृत के गहरे ज्ञाता थे। उनकी कृतियों ने हिंदी और संस्कृत साहित्य को समृद्ध किया है। उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक 'छत्तीसगढ़ के परिचय' है। जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, और सामाजिक पृष्ठभूमि का व्यापक वर्णन करती है। यह पुस्तक न केवल छत्तीसगढ़ के अतीत और वर्तमान को समझने में सहायक है।
-डॉ. सुधीर शर्मा, (एचओडी) हिंदी विभाग, कल्याण पीजी कॉलेज, भिलाई

राम काव्य पर रचे तीन महाकाव्य

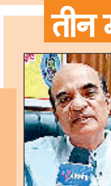

बलदेव प्रसाद मिश्र जी राम काव्य परंपरा के महान कवि थे। रामकाव्य पर उनका ऐसा अप्रतिम योगदान है, जो उन्हें हिंदी साहित्य में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। उन्होंने रामकाव्य पर आधारित तीन महाकाव्यों की रचना की, और वे हिंदी साहित्य के इतिहास में ऐसे अकेले कवि हैं, जिन्होंने तीन महाकाव्य लिखे।
-डॉ शंकर मुनि राय, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग,दिग्विजय कॉलेज राजनांदगांव

समाज सुधारक और विद्वान लेखक

मिश्र जी अपनी सामाजिक और शैक्षिक योग्यता से लोगों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य किए वे समाज सुधारक, शिक्षाविद् और विद्वान लेखक थे, जिन्होंने शिक्षा के महत्व को समझाते हुए समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाया। उनकी लेखनी ने न केवल साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि लोगों को सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति पाने और प्रगति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।
-डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र, वरिष्ठ इतिहासकार

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com